जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 291 प्रभात कोटा, सोमवार 4 अगस्त, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

एयर इंडिया का पुनः ''राष्ट्रीयकरण'' (नैशनलाइज़ेशन) करने की माँग उठने लगी है

रद्द उड़ानें, उड़ान भरने में बेवजह देरी आदि कारणों से यह छवि बन रही है कि एयर इंडिया में अब शीर्ष स्तर पर नागरिक उड्डयन (सिविल एविएशन) के पर्याप्त अनुभव की कमी है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 03 अगस्त। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी द्वारा टाटा समूह से एयर इंडिया को वापस लेने की सरकार से की गई मांग ने एक बार फिर उस बहस को जिंदा कर दिया है, जिसके बारे में कई लोगों का मानना था कि जनवरी 2022 में एयरलाइन के निजीकरण के साथ ही यह मामता सुलझ गया था। टाटा के नेतृत्व वाली एयर इंडिया के ''प्रबंधन में गड़बड़ी'' बताते हुए, तिवारी ने समूह पर राष्ट्रीय संपत्ति को कुप्रबंधन की मिसाल बनाने का आरोप लगाया, जिसमें उड़ान रद्द हो रही हैं समय पर उड़ानें नहीं मिल रहीं और विमानन क्षेत्र की समझ की कमी दिखाई दे रही है।

तिवारी की निराशा पूरी तरह निराधार नहीं है। सोशल मीडिया पर यात्रियों की शिकायतें भरी पड़ी हैं, अनियमित समय-सारणी, खराब ग्राहक सेवा और व्यवस्थागत गड़बड़ियाँ। समूह द्वारा आधुनिक, और यात्रियों के अनुकूल एयर इंडिया का जो वादा किया गया था, वह अब तक पूरी तरह हकीकत नहीं बन पाया है। लेकिन क्या इन शुरुआती समस्याओं की वजह से एक ऐतिहासिक सुधार को वापस लिया जाना चाहिए? क्या सरकार को उस एयरलाइन को फिर से अपने हाथ में लेना चाहिए, जिसे वह सालों तक सब्सिडी देकर भी चला नहीं पाई थी?

- **पर, क्या पुनः नैशनलाइज़ेशन करना इस समस्या का सही निदान है। क्योंकि एयर इंडिया को टाटा समूह को सौंपना एक ''इमोशनल'' निर्णय नहीं था, बल्कि आर्थिक विवशता दी। एयर इंडिया 60 हजार करोड़ रूपए का घाटा दे चुकी थी तथा सरकार के अनुदान के कारण घिसट रही थी। आशा की थी कि प्राइवेट हाथों में मैनेजमैंट जाने के बाद, यह घाटा रूकेगा तथा धीरे-धीरे एयर इंडिया चुस्त होकर अपने पैरों पर खड़ी हो जायेगी।**
- **टाटा संस ने चुस्त बनाने की दिशा में कदम भी उठाये तथा सिविल एविएशन इंडस्ट्री का अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर दिया नये हवाई जहाजों के लिए। स्टाफ के प्रशिक्षण के नये कोर्स शुरु किये गये तथा एयर इंडिया ब्राण्ड की विश्वसनीयता पुनः स्थापित करने की कोशिश की गई। पर, यह काम वर्षों चलने के बाद रिजल्ट दिखाता है। अतः एक प्रतिक्रिया यह भी है कि अब पुनः नैशनलाइज़ेशन की बात करना न्यायोचित नहीं है।**

पहले यह समझना जरूरी है कि एयर इंडिया का निजीकरण कोई आइडियोलॉजिकल फैसला नहीं था, बल्कि एक वित्तीय मजबूरी थी। यह एयरलाइन सरकार के लिए एक आर्थिक बोझ बन चुकी थी, 60,000 करोड़ से अधिक का नुकसान था, और सरकारी मदद से ही चल रही थी। करदाताओं का पैसा इस अनुत्पादक संस्था को बचाने में खर्च हो रहा था, जबकि वही पैसा स्वास्थ्य सेवा या बुनियादी ढाँचे में लग सकता था।

यह तो कहना पड़ेगा कि टाटा संस ने एक बहुत ही जटिल और संकटग्रस्त एयरलाइन संभाली है। चार एयरलाइनों (एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, विस्तारा और एयरएशिया इंडिया) का एकीकरण कोई आसान काम नहीं है। टाटा ने विमानन इतिहास का सबसे बड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उम्र कैद की सजा के खिलाफ रेवन्ना हाई कोर्ट पहुँचे

बेंगलु, 03 अगस्त। यौन शोषण के एक मामले में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु स्थित सांसदों/विधायकों की विशेष अदालत (एमपी/एमएलए कोर्ट) की ओर से आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद जनता दल (सेक्युलर) के नेता प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में कैदी नंबर दिया गया। इस बात की जानकारी रविवार (3 अगस्त, 2025) को जेल अधिकारियों ने दी।

प्रज्वल ने कथित तौर पर

- **यौन शोषण के मामले में सांसद विधायकों की विशेष अदालत ने शेष जीवन तक कारावास की सजा सुनाई थी।**

कर्मचारियों को सूचित किया है कि उसने अपनी सजा को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व सांसद फिलहाल उच्च सुरक्षा वाली कोठरी में बंद है और उसे कड़ी सुरक्षा दी जा रही है।

प्रज्वल को शनिवार (2 अगस्त) को शेष जीवन तक कारावास में रहने की सजा सुनाई गई और कुल 11.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने निर्देश दिया कि 11.25 लाख रुपये रेवन्ना के परिवार की घरेलू सहायिका व पीड़िता को दिए जाएं।

'साढ़े छः लाख बिहारी श्रमिकों को तमिलनाडु का मतदाता बनाना अवैध'

चिदंबरम ने इसे तमिलनाडु के मतदाताओं के मनपसंद सरकार चुनने के अधिकार में हस्तक्षेप बताया

चेन्नई, 03 अगस्त। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु में बिहार के प्रवासी श्रमिकों को भी मतदान का अधिकार देने का चुनाव आयोग का फैसला चिंताजनक और अवैध है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम तमिलनाडु के मतदाताओं के मनपसंद सरकार चुनने के अधिकार में घोर हस्तक्षेप होने के साथ-साथ प्रवासी श्रमिकों का भी ''अपमान'' है।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में चिदंबरम ने कहा, ''जहाँ बिहार में 65 लाख मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने का खतरा मंडरा रहा है, वहीं तमिलनाडु में 6.5 लाख लोगों को मतदाता के रूप में जोड़ने की खबरें चिंताजनक और स्पष्ट रूप से अवैध हैं। उन्हें ''स्थायी प्रवासी'' कहना प्रवासी श्रमिकों का अपमान है और तमिलनाडु के मतदाताओं के अपनी पसंदीदा सरकार चुनने के हक में घोर हस्तक्षेप है।''

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि

- **चिदंबरम ने कहा कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया रोजाना अजीब होती जा रही है। अगर प्रवासी मजदूर के परिवार का बिहार में स्थायी घर है तो उसे तमिलनाडु में ''स्थायी प्रवासी'' कैसे माना जा सकता है।**

प्रवासी श्रमिक जैसे छठ पूजा में वापस घर जाते हैं वैसे ही वे चुनावों में मतदान के लिए गृह राज्य क्यों नहीं जा सकते। उन्होंने कहा, ''प्रवासी श्रमिक विधानसभा चुनाव में मतदान करने के लिए बिहार (या अपने गृह राज्य) क्यों नहीं लौटते, जैसा कि वे आमतौर पर करते हैं? क्या प्रवासी श्रमिक छठ पूजा के त्योहार के समय बिहार नहीं लौटते? जब प्रवासी श्रमिक का बिहार (या दूसरे राज्य) में घर है तो उन्हें तमिलनाडु की मतदाता सूची में कैसे जोड़ा जा सकता है?''

चिदंबरम ने कहा कि चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया रोजाना ही और भी ज़्यादा अजीब होती जा रही है। अगर प्रवासी मज़दूर के परिवार का बिहार में स्थायी घर है और वह बिहार में रहता है, तो उसे तमिलनाडु में ''स्थायी प्रवासी'' कैसे माना जा सकता है?''

उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''चुनाव आयोग अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर रहा है और राज्यों के चुनावी चरित्र और पैटर्न को बदलने की कोशिश कर रहा है। शक्तियों के इस दुरुपयोग का राजनीतिक और कानूनी विरोध करना चाहिए।

विदित हो कि इससे पहले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके सहयोगी दलों ने राज्य में प्रवासी मज़दूरों को वोट देने का अधिकार देने के चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सितंबर से रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा बंद होगी

नई दिल्ली, 03 अगस्त। भारतीय डाक विभाग ने बड़ा ऐलान किया है, जिसमें बताया गया है कि 1 सितंबर से रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा को अब स्पीड पोस्ट के साथ ही मिला दिया जाएगा। यानी अब ग्राहकों को पार्सल भेजने के लिए सिर्फ स्पीड पोस्ट की ही सुविधा मिलेगी। डाक विभाग ने बताया है कि इस फैसले के बाद पोस्ट सर्विस तेज और आधुनिक बनेगी।

ज्ञातव्य है कि रजिस्टर्ड पोस्ट

- **डाक विभाग, स्पीड पोस्ट सर्विस को तेज और आधुनिक बनायेगा।**

सर्विस की सुविधा साल1854 में शुरू की गई थी। इसके जरिए ग्राहक जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ कीमती सामानों को भेजा करते थे। हालांकि अब 1 सितंबर से रजिस्टर्ड पोस्टलेबल नहीं मिलेगा। रजिस्टर्ड पोस्ट सर्विस में प्रूफ ऑफ डिलीवरी और रिसीवर के सिग्नेचर की जरूरत होती थी, जो अब ये स्पीड पोस्ट में मिलेगी।

आधिकारिक डाक डेटा 2011-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरयू नहर में बोलेरो डूबी, 11 की मौत

मृतकों में गोंडा के सीहा गाँव के 3 भाईयों के परिवार के 9 सदस्य व दो पड़ौसी हैं

गोंडा, 03 अगस्त। यूपी के गोंडा में रविवार सुबह 10 बजे तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 भाइयों के परिवार के 9 लोग थे, जबकि 2 लोग पड़ोसी परिवार के थे। छोटे भाई का पूरा परिवार खत्म हो गया। ड्राइवर सहित 4 लोग बच गए। अभी 10 साल की बच्ची लापता है। एसडीआरएफ टीम उसकी तलाश में जुटी है।

बोलेरो सवार 16 लोग जल चढ़ाने पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे। सभी गोंडा के मोतीगंज थाना के सीहा गांव के रहने वाले थे। हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी नहर में गिरने के बाद एक भी शख्स बाहर नहीं निकल पाया। बारिश के कारण नहर में लबालब पानी भरा है। नहर में गिरते ही गाड़ी पूरी तरह से डूब गई। उसके गेट लॉक हो गए। अंदर बैठे लोग छटपटाते रहे।

जानकारी के अनुसार, गाड़ी नहर के किनारे बनी सड़क से निकल रही थी। नहर क्रॉस करके जाना था। पुलिया के पास अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगाया, तेज स्पीड और बारिश की वजह से गाड़ी बेकाबू होकर नहर में गिरने लगी। इस पर ड्राइवर गेट खोलकर कूद गया। आगे की सीट में बैठे 2 लोग भी बाहर आ गए। बच्ची पिंकी बीच में खड़ी थी। झटके से वह भी ड्राइवर साइड के गेट से बाहर आ गई। इसके बाद बोलरो नहर में गिर गई।

जहां हादसा हुआ, वहां आसपास ग्रामीण मौजूद थे। बोलेरो नहर में गिरती देख वो लोग बचाने के लिए पानी में कूद गए, लेकिन गेट नहीं खोल पाए। रस्सी बांधकर बोलेरो को किनारे तक लाए, तब जाकर गाड़ी का कुछ हिस्सा बाहर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ग्रेनाइट खदान में बोल्डर गिरने से 6 मजदूरों की मौत

बापतला, 03 अगस्त। आंध्रप्रदेश में बापतला जिले के बल्लीकुरवा गाँव में एक ग्रेनाइट खदान में रविवार को एक भारी शिलाखंड (बोल्डर) गिरने से छह मज़दूरों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मज़दूरों का एक समूह सत्य कृष्णा ग्रेनाइट खदान में काम कर रहा था, तभी एक पहाड़ी से विशाल पत्थर लुढ़ ककर उन पर गिर गया जिसमें छह मज़दूरों की मौके पर ही मौत हो गयी। अब तक चार शव बाहर निकाले जा चुके हैं और दो

- **आंध्र प्रदेश में हुई दुर्घटना में चार अन्य मजदूरों की हालत नाज़ुक है।**

को निकालने के प्रयास जारी हैं। जिस समय यह हादसा हुआ, तब ग्रेनाइट खदान में 16 मज़दूर काम कर रहे थे।

इस हादसे में घायल अन्य मजदूरों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ चार मज़दूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रारंभिक जाँच के अनुसार, हादसे में मारे जाने वाले मजदूर ओडिशा के थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिया गठबंधन की बैठक 7 अगस्त को राहुल गांधी के निवास पर होगी

गठबंधन की पिछली बैठक 19 जुलाई को वर्चुअल हुई थी, जिसमें 24 दलों के नेता शामिल हुए थे

नई दिल्ली, 03 अगस्त। विपक्षी दलों के गठबंधन ''इंडिया'' की अगली बैठक 7 अगस्त को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास पर होगी। सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक डिनर के दौरान होगी और इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

राहुल गांधी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों में करीब 70-80 सीटों पर धांधली हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बहुत मामूली बहुमत से जीते हैं और यदि 15 सीटें भी सही तरीके से हुई होतीं, तो वो प्रधानमंत्री नहीं बन पाते।इसके साथ ही, बैठक में कई मुद्दे उठाए जा सकते हैं। जिसमें बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया,

- **राहुल गांधी के घर डिनर बैठक में मतदाता पुनरीक्षण, महाराष्ट्र में फर्जी वोटर जोड़ना, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, ऑपरेशन सिंदूर तथा ट्रंप की टैरिफ थमकी आदि मुद्दों पर चर्चा होगी।**

महाराष्ट्र में फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप, ऑपरेशन सिंदूर, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से संभावित टैरिफ (शुल्क) धमकी शामिल है।

पिछली बैठक 19 जुलाई को वर्चुअल हुई थी, जिसमें 24 से ज्यादा दलों के नेता शामिल हुए थे, जिसमें एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार, आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, जम्मू-कश्मीर के मौजूदा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे शामिल थे।

इस बार फारूक अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस) ने भी पुष्टि की है कि वे बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वे बिहार की एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे, जिसे भाजपा-जेडीयू गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मुर्मू से मिले

नई दिल्ली, 03 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात की वजह अभी सामने नहीं आई है। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर चर्चा की विपक्ष की मांग को

- **अभी तक इस मुलाकात का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।**

लेकर संसद में गतिरोध जारी है। साथ ही चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भी अधिसूचना जारी कर दी है। ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में चर्चा के अलावा, मानसून सत्र शुरू होने के बाद से संसद में बहुत कम कामकाज हुआ है। राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री की यह मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने और भारत के रूस से सैन्य उपकरण और तेल की खरीद के चलते पेनल्टी लगाने का भी एलान किया है।

गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नागपुर, 03 अगस्त। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस कंट्रोल रूम को ये धमकी भरा कॉल आया है। इस कॉल के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार,रविवार सुबह 8:46 बजे

- **रविवार की सुबह पुलिस कंट्रोल रूम में बम से उड़ाने की धमकी का फोन आया था।**
- **नागपुर पुलिस ने गडकरी के घर पर डॉग स्क्वॉड के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया। कुछ घंटों में ही धमकी देने वाला गिरफ्तार हो गया। वह एक देशी शराब की दुकान पर काम करता है।**

पुलिस कंट्रोल के 112 नंबर पर गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी का कॉल आने के बाद पुलिस ने स्थानीय पुलिस थाने को मामले की जानकारी दी है। कंट्रोल रूम को कॉल आने के बाद प्रताप नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव से दो वोटर आईडी कार्ड पर जवाब मांगा

आयोग ने तेजस्वी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाये वोटर कार्ड की मूल प्रति मांगी

पटना, 03 अगस्त। बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारियों में सभी पार्टियां जुटी हुई हैं। इस बीच आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ ती हुई दिख रही हैं। चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किया है और 2 वोटर आई कार्ड के संबंध में जवाब मांगा है।

चुनाव आयोग के अनुसार, तेजस्वी यादव की प्रेस वार्ता के दौरान दिखाए गए इलैक्शन फोटो आइडैंटिटी कार्ड (ई.पी.आई.सी.) संख्या आरएबी 2916120 की जांच की जाएगी। आयोग ने तेजस्वी यादव से इसकी मूल प्रति मांगी है, जिसके लिए नोटिस जारी किया है।

चुनाव आयोग की प्राथमिक जांच के अनुसार, तेजस्वी को ई.पी.आई.सी. कार्ड का विवरण (कार्ड की मूल प्रति सहित) आयोग को उपलब्ध कराने को कहा गया है ताकि इसकी गहन जांच की जा सके।

दरअसल तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उनका नाम नहीं है। तेजस्वी ने शनिवार को पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि उन्होंने अपने ई.पी.आई.सी. नंबर (आरएबी 2916120) को चुनाव आयोग की वेबसाइट पर सर्च किया, लेकिन नो रिकॉर्ड

- **आयोग का कहना है कि जो कार्ड तेजस्वी ने दिखाया वह 10 साल से रिकॉर्ड में नहीं है तथा गत दो चुनाव तेजस्वी यादव ने जिस वोटर आईडी पर लड़े, वह दूसरा है।**

फाउंड का मैसेज आया। इसी बात को लेकर उन्होंने आयोग पर सवाल उठाए थे।

हालांकि, चुनाव आयोग ने उनके दावे को खारिज कर दिया था और कहा था कि तेजस्वी का नाम वोटर लिस्ट में मतदान केंद्र संख्या 204, क्रमांक 416 पर दर्ज है। उनका वैध ई.पी.आई.सी. नंबर आरएबी 0456228 है। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया था कि तेजस्वी ने पीसी के दौरान जो ई.पी.आई.सी. नंबर आरएबी 2916120 दिखाया, वो पिछले 10 साल में कहीं रिकॉर्ड में नहीं है। जबकि तेजस्वी ने जिस ई.पी.आई.सी. नंबर आरएबी 0456228 के आधार पर 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव लड़े, वो आधिकारिक रिकॉर्ड में मौजूद है।

बिहार एनडीए के घटक दलों के प्रवक्ताओं ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और राजद के नेता तेजस्वी यादव पर जमकर सियासी हमला बोला।

एनडीए प्रवक्ताओं ने दो ई.पी.आई.सी. नंबर पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह आया कहां से? कोई भी व्यक्ति दो मतदाता पहचान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने 35 जरूरी दवाओं की कीमत घटाई

नई दिल्ली, 03 अगस्त। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब कई जरूरी दवाएं पहले से सस्ती मिलेंगी। सरकार ने 35 जरूरी दवाओं की कीमत घटा दी है, जिससे दिल, डायबिटीज, मानसिक रोग और इंफेक्शन जैसी बीमारियों के मरीजों को सीधी राहत मिलेगी।

ये फैसला रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने एनपीपीए की सिफारिश पर लिया है। इसके तहत जिन दवाओं की कीमतें कम की गई हैं, वह लंबे समय से चल रही बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होती हैं।

प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के अंतर्गत आने वाले प्रमुख

- **नोटिफाइड कीमतों की पालना नहीं करने पर दंडात्मक प्रावधान लागू होंगे।**

फॉर्मूले में एसिक्लोफेनाक, पैरासिटामोल और ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन, एमोक्सिसिलिन और पोटेशियम क्लैवुलनेट के फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन, एटोरवास्टेटिन कॉम्बिनेशन और एम्पैग्लिफ्लोजिन, सिटाग्लिप्टिन और मेटफॉर्मिन जैसे नए ओरल एंटीडायबिटिक कॉम्बिनेशन शामिल हैं।

नोटिफाइड कीमतों का पालन न करने पर डीपीसीओ, 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत दंडात्मक प्रावधान लागू हो सकते हैं, जिसमें ब्याज सहित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मस्तिष्क इन्द्रियों की अपेक्षा महान है, शुद्ध बुद्धिमत्ता मस्तिष्क से महान है, आत्मा बुद्धि से महान है, और आत्मा से बढकर कुछ भी नहीं है। –स्वामी शिवानंद

हमारे बच्चे और सोशल मीडिया

क्या आप जानते हैं कि हम भारतीय सोशल मीडिया का कितना प्रयोग करते हैं? शायद यह बात आपके लिए भी चौंकाने वाली हो कि पूरी दुनिया में सोशल मीडिया का सबसे ज़्यादा प्रयोग हम भारतीय ही करते हैं। हमारे यहां एक व्यक्ति औसतन 11 प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय रहता है और हर दिन लगभग 7.3 घण्टे स्क्रीन पर (मोबाइल या अन्य) व्यतीत करता है। समझा जा सकता है कि जब बड़े इतना समय स्क्रीन को देते हैं तो अपने बच्चों को इसका इस्तेमाल करने से शायद ही रोक पाते होंगे। वैसे भी कोरोना काल में तत्कालीन विवशताओं की वजह से शिक्षा के लिए मोबाइल का प्रयोग अपरिहार्य हो गया था। जो मां-बाप अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखना चाहते थे उन्हें भी आगे बढकर अपने बच्चों के हाथों में मोबाइल देना पड़ा था। और उसके बाद बहुत मुमकिन है कि उनमें से बहुत सारे लोग उस मोबाइल को वापस लेना भूल गए हों।

हम अपने चारों तरफ देखते हैं कि अधिकांश मां-बाप अपने बच्चों के प्रति अपने लाड़ का प्रदर्शन करने के लिए औचित्य की बहुत सारी सीमाओं की अनदेखी कर जाते हैं। वे बच्चों को बिना रोक-टोक के फास्ट फूड का उपभोग करने देते हैं, ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने का पात्र बनें उससे पहले वे उन्हें अपने वाहनों की चाबियां सौंप देते हैं और लाड़-लाड़ में न केवल उन्हें मोबाइल का निर्बाध प्रयोग करने देते हैं, ख़ुद आगे बढ़कर उन्हें मोबाइल खरीद कर भी दे देते हैं। अगर मां-बाप न दें या देने की स्थिति में न हों तो बच्चे ख़ुद लड़-झगड़कर हासिल कर लेते हैं। बहुत बार यह भी देखा गया है कि ये सारी गतिविधियां करते हुए मां-बाप लज्जित नहीं गर्वित होते हैं।

इन बहुत सारी बातों के बीच से आज हम चर्चा यह करना चाह रहे हैं कि क्या बच्चों को सोशल मीडिया का निर्बाध या सीमित उपयोग करने देना चाहिए? यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि हाल में ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने घोषणा की है कि सन 2025 की पहली दिसम्बर से वहां सोलह बरस से कम उम्र के बच्चे यूट्यूब का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। इस निषेध का उल्लंघन करने पर यूट्यूब को 50 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर अर्थात लगभग 282 करोड़ रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। असल में वहां की सरकार ने एक अध्ययन करवाया था जिससे ज्ञात हुआ कि ऑस्ट्रेलिया में 10 से 12 बरस की आयु के 68 प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से यूट्यूब देखते हैं और यूट्यूब का एल्गोरिदम कुछ इस तरह का है कि वह बच्चों को ख़तरनाक स्टंट, हिंसा, डरावने दृश्यों और अश्लीलता भरे वीडियो या शॉर्ट्स बार-बार दिखाता है। इस कारण इन बच्चों में बहुत तेज़ी से डोपामाइन साइकल बनने लगा है और इसका कुप्रभाव उनकी नींद, पढ़ाई और मानसिकता पर पड़ रहा है। यहीं यह भी जान लें कि ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के लिए टिकटॉक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और फ़ेसबुक का प्रयोग पहले से वर्जित है।

इसी क्रम में यह भी जान लिया जाए कि ऑस्ट्रेलिया के अलावा भी दुनिया के बहुत सारे देशों में बच्चों के सोशल मीडिया प्रयोग पर बंदिशें लागू हैं। फ्रांस में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे बग़ैर माता-पिता की अनुमति के सोशल मीडिया का प्रयोग नहीं कर सकते हैं। और जैसे इतना ही पर्याप्त न हो वहां तो 15 वर्ष की उम्र तक के बच्चों द्वारा मोबाइल के उपभोग को पूरी तरह बंद करने के मामले में भी एक ट्रायल चल रही है। फ्रांस की ही तरह जर्मनी में भी 13 से 16 वर्ष तक की आयु के बच्चे बग़ैर मां-बाप की अनुमति के सोशल मीडिया का प्रयोग नहीं कर सकते हैं। बेल्जियम में यह प्रतिबंध 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रभावी है। चीन में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए बहुत कड़े नियम लागू हैं। वहां टिकटॉक के चीनी संस्करण के नियमित उपयोग की दैनिक सीमा केवल 45 मिनिट है और रात 10 से सुबह 6 बजे तक इसका उपयोग किया ही नहीं जा सकता है। युनाइटेड किंगडम का 2023 का ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कड़े प्रतिबंध लागू करता है। इसमें उपयोग कर्ता की उम्र का सत्यापन भी शामिल है। दक्षिणी कोरिया में काफी पहले, सन 2011 में ही शटडाउन कानून लागू कर दिया गया था जिसमें 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को रात 10.30 बजे से सुबह 6 बजे तक ऑनलाइन गेमिंग का प्रयोग करने से रोका गया था। यह बात अलग है कि वहां बाद में यह प्रतिबंध हटा लिया गया। संयुक्त राज्य अमरीका में चिल्ड्रन्स ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के अन्तर्गत 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की निजी जानकारी एकत्रित करना वर्जित है। और यूरोपीय संघ, फ्रांस और स्पेन जैसे देश 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया प्रयोग के लिए मां-बाप की सहमति अनिवार्य करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

हमारे यहां अगर कानून बन भी जाएगा तो यह निश्चित मानिए कि उसके पालन से ज़्यादा उसका उल्लंघन होगा, और अंततः वह कानून मज़ाक बन कर रह जाएगा। अधिकांश मां-बाप में इस समझ का अभाव है कि मोबाइल और सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग उनके बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। उन्हें यह बात समझाने का न तो किसी में धैर्य है, न उत्साह और न इच्छा।

अब ज़रा एक नज़र अपने देश की स्थिति पर भी डाल लें। अप्रैल 2024 में हमारे सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर हुई थी जिसमें 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को प्रतिबंधित करने की मांग की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने संसद का विचारणीय विषय बताते हुए इस याचिका को खारिज़ कर दिया। असल में अभी भारत में बच्चों के सोशल मीडिया उपभोग को प्रतिबंधित करने पर कोई गंभीर विचार नहीं हो रहा है। इसकी बजाय हम सामाजिक सहमति, अभिभावकों के विवेक और डेटा सुरक्षा पर भरोसा कर रहे हैं।

सोशल मीडिया और स्क्रीन के प्रयोग, प्रयोग के सीमा उल्लंघन और प्रयोग के ख़तरों से हम सभी वाक़िफ़ हैं। बच्चों के हाथ में जब स्क्रीन होता है तो वे उस पर किस तरह का कंटेंट देखते हैं, इस बात पर बड़ों का बहुत कम नियंत्रण संभव होता है। भारत जैसे देश में जहां मां-बाप अपनी रोज़ी-रोटी की समस्याओं में बहुत बुरी तरह उलझे होते हैं, उनसे यह उम्मीद करना कि वे यह देखेंगे कि बच्चे मोबाइल या कंप्यूटर का उपयोग किस काम के लिए कर रहे हैं, उनके प्रति ज़्यादती ही होगा। स्कूलों की जो हालत है,ख़ास तौर पर सरकारीस्कूलों की, वहां काम के बोझ से दबे (और कभी-कभी काम से बचने वाले भी) अध्यापकों से कोई उम्मीद की ही नहीं जा सकती। यह भी सही है कि आज मोबाइल हम सबके लिए इतना अपरिहार्य हो गया है कि उससे बच्चों को वंचित रखना व्यावहारिक नहीं रह गया है। मोबाइल तो उन्हें देना ही पड़ेगा। और जब आप उन्हें यह उपकरण सौंप देंगे तो फिर वे उसका कैसा उपयोग करेंगे, यह तय करना आपके लिए बहुत कठिन है।

और बात केवल बच्चों ही नहीं है। यह भी देखा जाए कि बड़े भी मोबाइल के किस तरह एडिक्ट हो चुके हैं। इस बात की विस्तृत विवेचना अनावश्यक है। अब जो मां-बाप ख़ुद मोबाइल से चिपके हुए हैं वे अपने बच्चों को इसका प्रयोग करने से कैसे रोकेंगे? बहुत बार तो हम देखते हैं कि मां-बाप इस बात पर गर्व करते हैं कि उनका शिशु मोबाइल के बग़ैर खाना तक नहीं खाता है या उनका बारह वर्ष का बेटा किस फर्राटे से स्कूटर दौड़ाता है। यह बताते हुए उनके चेहरे पर अपराध बोध नहीं गर्व झलकता है। बहुत सारे शिक्षक बताते हैं कि अगर वे बच्चों को फास्ट फूड का प्रयोग करने से रोकते हैं तो उनके मां बाप लड़ने के लिए आ जाते हैं।

ऐसे में भारत जैसे देश की स्थितियां अन्य देशों से बहुत अलग है। हमारे यहां अगर कानून बन भी जाएगा तो यह निश्चित मानिए कि उसके पालन से ज़्यादा उसका उल्लंघन होगा, और अंततः वह कानून मज़ाक बन कर रह जाएगा। अधिकांश मां-बाप में इस समझ का अभाव है कि मोबाइल और सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग उनके बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। उन्हें यह बात समझाने का न तो किसी में धैर्य है, न उत्साह और न इच्छा। ऐसे में जो समझदार लोग हैं वे दुखी होते रहेंगे, और उनके बच्चे यह देखकर अपने मां-बाप पर कुढ़ते रहेंगे कि उनके अन्य दोस्तों के मां-बाप जिस काम के लिए अपने बच्चों को बिल्कुल भी नहीं रोक रहे हैं, उसी काम के लिए उनके मां-बाप उनसे रोज़ किच-किच क्यों करते हैं! ऐसे में बस यही संभावना बची रहती है कि जो मां-बाप इस बात को समझते हैं वे अपने बच्चों के सोशल मीडिया और स्क्रीन प्रयोग पर निगाह रखें और प्रयास करें कि बच्चे इनका सीमित प्रयोग करें।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

छात्रसंघों के चुनाव : छात्रों ने बजाया आंदोलन का बिगुल

बालमुकुंद ओझा

राजस्थान के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में बीते 2022 के बाद से छात्र संघ चुनाव नहीं हुए है। छात्रों के साथ ही छात्र संगठन लगातार चुनाव की मांग करते आ रहे हैं। गहलोत सरकार ने 2023 में विधानसभा चुनाव के चलते चुनाव स्थगित किये थे। इसके बाद आई भाजपा सरकार ने भी चुनाव कराने की कोई घोषना नहीं की है। दिल्ली विश्व विधालय छात्र संघ के चुनावों के बाद राजस्थान में भी छात्र संघों के चुनावों की मांग जोर शोर से उठ रही है। राजस्थान में छात्रसंघ चुनावों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं छात्र संघों के चुनाव कराने को लेकर छात्र नेताओं ने आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। छात्रों ने सरकार द्वारा छात्र संघों के चुनाव नहीं कराने के फैसले के विरोध में उठा आंदोलन शुरू किया है। इसको लेकर छात्र संघों व छात्र नेताओं का गुस्सा लगातार उबाल मार रहा है। छात्र राजनीति पूरी तरह ठप पड़ी है।छात्र नेताओं का कहना है लोकतंत्र का पहला दरवाजा छात्र संघ होता है। छात्र संघ से युवा निष्पक्ष चुनाव, मतदान व प्रचार का ककहरा सीखते हैं। निर्वाचित छात्रसंघ न होने से छात्रों की समस्याएं अनसुनी रह जा रही हैं और प्रतिनिधित्व का अभाव गहरी निराशा पैदा कर रहा है। छात्र संगठनों व छात्र नेताओं का आरोप है कि राज्य सरकार जान-बूझ कर चुनाव की प्रक्रिया को टालता आ रहा है। राजस्थान विश्व विधालय छात्र संघ देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

यहां के छात्र नेता सिर्फ यूनिवर्सिटी अथवा कॉलेज तक सीमित नहीं रहते, बल्कि आगे चलकर देश और प्रदेश की राजनीति में अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं। जो इस सीढ़ी को चढ़ गया वह राजनीति के ऊंचे मुकाम तक पहुंच जाता है। छात्र संघ के कई नेता बाद में राजनीति के दिग्गज चेहरे भी बने हैं। प्रदेश में कई साल से छात्र संघ चुनाव नहीं हो रहे हैं, लेकिन आज भी प्रदेश की सियासत में छात्र राजनीति से निकले नेताओं का बोल बाला है। छात्र संघ चुनाव में राजनीति का पहला ककहरा सीखा जाता है। केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक तक हर स्तर पर प्रभावशाली नेता दिए हैं। छात्र संघ की जड़ें गहराई तक फैली हुई हैं, जो न केवल छात्रों की समस्याओं के समाधान का मंच रहा है, बल्कि प्रदेश की सियासत को भी दिशा देने वाला स्तंभ साबित हुआ है। समय की माँग है कि छात्र संघ को फिर से जीवित किया जाए।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने विधानसभा चुनावों के मधे नज़र राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में होने वाले छात्रसंघ चुनावों पर रोक लगा दी थी। अब कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत छात्र संघ चुनाव कराने की मांग कर रहे है। गहलोत ने ही अपने कार्यकाल में चुनावों पर रोक लगाई थी जो भाजपा सरकार के दौरान भी बदसतूर जारी है। राज्य की राजनीति में आज भी कई ऐसे नेता उच्च पदों पर आसीन हैं, जिन्होंने छात्र राजनीति से अपना सियासी सफर शुरू किया है। आज देश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी युवा है। जो अपने मताधिकार का उपयोग कर देश तथा प्रदेश की सरकारे बनाती हैं। इतनी बड़ी आबादी का वोट सरकारें तय करती है। दूसरी तरफ छात्र संघों के चुनाव प्रदेशभर में प्रतिबंधित हैं। यह विचारणीय है।

एक छात्र नेता ने यूनिवर्सिटी की राजनीति से निकले राजस्थान के प्रसिद्द नेताओं के कटआउट लगाकर अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया और छात्र संघ चुनाव की मांग की। राजस्थान विश्वविद्यालय में लगाए कटआउट के जरिये बताया गया कि अनेक नेता और मंत्री छात्र संघों के जरिये सियासत में अपनी मज़बूत स्थिति संभाले हुए है। छात्र संघ चुनाव की बदौलत ही आज देश और प्रदेश को ऐसे संघर्षशील नेता मिलें है जो हर परिस्थिति मैं पीड़ितों ओर शोषितों की आवाज मजबूती से उठाते है। छात्र नेताओं का कहना है कि छात्रसंघ चुनाव राजनीति की पहली सीढ़ी है और इस पर रोक नहीं लगनी चाहिए। प्रदर्शन में छात्र राजनीति से निकल मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक बनने वाले अशोक गहलोत, डॉक्टर सीपी जोशी, कालीचरण सर्राफ, हनुमान बेनीवाल, रघु शर्मा, सतीश पूनिया, प्रताप सिंह खाचरियावास, विकास चौधरी, महेंद्र चौधरी, रविंद्र सिंह भाटी, मनीष यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र राठौड़, अशोक लाहोटी, हरीश चौधरी, राजपाल सिंह शेखावत, रामलाल शर्मा,मुकेश भाकर, रामनिवास गवाड़िया, अभिमन्यु पूनिया और राजकुमार शर्मा के कट-आउट लगाए थे।

सरकार ने लिंगदोह समिति की शर्तों की पालना नहीं होना भी चुनाव नहीं कराने का एक कारण बताया है। देखा जाता है छात्र संघ चुनावों में लिंगदोह समिति की अचार संहिता की सरेआम धज्जियां उड़ाई जाती है। चुनाव एक मखौल बनकर रह जाता है। जाति और धनबल का खुला प्रदर्शन देखने को मिलता है। हिंसात्मक घटनाएं आम हो गई है। लिंगदोह समिति ने देश के विश्वविद्यालयों में होने वाले छात्रसंघ चुनावों के लिए कुछ सिफारिशें जारी की थीं, जिनका उद्देश्य बाहुबल और धनबल के प्रभाव को रोकना और चुनाव प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाना था। सिफारिशों के अनुसार, कोई छात्र केवल एक बार चुनाव लड़ सकेगा, और चुनाव में अधिकतम 5,000 रुपये खर्च किए जा सकेंगे। उम्मीदवार और उनके संगठन पर चुनावी चंदा लेने पर प्रतिबंध रहेगा। चुनाव में सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर, विज्ञापन और बैनर पर पूरी तरह प्रतिबंध होगा कॉलेज परिसर में किसी प्रकार के हथियार लाने पर भी प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा, और उस साल की परीक्षा में भी वह वंचित हो जाएगा। वास्तविकता में लिंगदोह समिति की सिफारिशें कागजों में दबकर रह गई है।

–बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

ब्लैक बोर्ड से स्मार्ट बोर्ड का सफर - राजकीय विद्यालयों में स्मार्ट शिक्षा की ओर बढ़ते कदम

डॉ. अमृता कटारा

जयपुर। राजस्थान के राजकीय विद्यालय अब परंपरागत शिक्षण विधियों से आगे बढ़कर डिजिटल युग में प्रवेश कर चुके हैं। ब्लैकबोर्ड और किताबों की सीमाओं को पीछे छोड़ते हुए अब कक्षाएं स्मार्ट स्क्रीन, प्रोजेक्टर और डिजिटल कंटेंट से सजी हैं। राज्य सरकार की सूचना एवं संचार तकनीक योजना के तहत वर्ष 2024 तक 13,976 सरकारी विद्यालयों में आईसीटी लैब्स की स्थापना की जा चुकी है। इनमें से 13,411 लैब माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर कार्यरत हैं जबकि 565 आदर्श विद्यालयों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा गया है। प्रदेश के 13 हजार से अधिक विद्यालयों में 17,421 स्मार्ट क्लासों की स्थापना भी की गयी है।

इन लैब्स के माध्यम से विद्यार्थी अब बेसिक कंप्यूटर ज्ञान के साथ ई-मेल, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावर पॉइंट आदि सॉफ्टवेयर पर कार्य करना, इंटरनेट सर्चिंग, विषय आधारित वीडियो लेक्चर देखना और इंटरएक्टिव डिजिटल कंटेंट से परिचय भी सीख रहे हैं। इससे खासतौर पर ग्रामीण व दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थी तकनीकी साक्षरता की ओर अग्रसर हो रहे हैं और राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर की शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं।

शिक्षक- विद्यार्थी दोनों हो रहे डिजिटल रूप से दक्ष-ये प्रयोगशालाएं केवल उपकरणों का जमावड़ा भर नहीं हैं बल्कि यह एक सशक्त डिजिटल कक्षा के रूप में विकसित की गई हैं, जहां विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता के साथ-साथ आत्मविश्वास, संवाद कौशल और निर्णय लेने की क्षमता जैसे जीवनोपयोगी गुणों का भी विकास हो रहा है। प्रत्येक लैब में कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, आवश्यक शैक्षिक सॉफ्टवेयर और इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की गई है। साथ ही फर्नीचर, पावर बैकअप और सुरक्षा के मानकों का भी ध्यान रखा गया है ताकि तकनीकी शिक्षण में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक विद्यालय में एक प्रशिक्षित आईसीटी प्रभारी शिक्षक की नियुक्ति की गई है जो न केवल लैब का संचालन करते हैं बल्कि विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षण में मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं। यह शिक्षक समय-समय पर विद्यालय के अन्य स्टाफ व प्रशासन को भी डिजिटल उपकरणों के प्रभावी उपयोग हेतु प्रशिक्षित कर रहे हैं जिससे विद्यालय समग्र रूप से डिजिटल रूपांतरण की दिशा में अग्रसर हो रहा है।

तकनीक बनी सीखने का माध्यम- आज के विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं हैं। वे इंटरनेट के माध्यम से विषयवस्तु की खोज करने, डिजिटल नोट्स तैयार करने, वर्चुअल क्विज़ में भाग लेने और ऑनलाइन कक्षाओं का हिस्सा बनने में पूरी तरह सक्षम हो रहे हैं। आईसीटी लैब्स एवं स्मार्ट क्लास ने विद्यार्थियों के भीतर आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया है। अब विद्यार्थी कंप्यूटर को केवल गेमिंग या मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि अपने भविष्य निर्माण का एक शक्तिशाली औजार समझने लगे हैं। राज्य के शिक्षा अधिकारियों द्वारा विभिन्न विषयों पर ई-क्लास वीडियो, एनिमेटेड प्रजेंटेशन और पावरपॉइंट लेक्चर जैसे डिजिटल कंटेंट समय-समय पर तैयार किए जा रहे हैं। ये सामग्री आईसीटी लैब्स के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाती है। इससे न केवल विद्यार्थियों की समझ में सुधार हुआ है बल्कि विज़ुअल लर्निंग के कारण उनकी याददाश्त और विषय पर पकड़ भी पहले से बेहतर हो रही है। यह दृष्टिकोण परंपरागत शिक्षा प्रणाली से हटकर एक सहभागी और बहुआयामी शिक्षण वातावरण की ओर बढ़ता कदम है।

मॉडल राज्य के रूप में स्थापित होगा राजस्थान -शिक्षा विभाग के प्रयास और सूचना एवं संचार तकनीक के माध्यम से राज्य के राजकीय विद्यालय अब डिजिटल इंडिया की रफ्तार से कदमताल कर रहे हैं। आईसीटी लैब्स और स्मार्ट क्लास न केवल विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त बना रही हैं बल्कि उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रही हैं। यह पहल राजस्थान को न केवल डिजिटल शिक्षा में आत्मनिर्भर बनाएगी बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल राज्य के रूप में स्थापित करेगी।

–डॉ. अमृता कटारा,
सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग

मीरा महोत्सव में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मीरा बाई के दर्शन किये

मेड़ता सिटी, (निसं)। विश्व ऐतिहासिक चारभुजानाथ के 521वें मीरा जयंती महोत्सव में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शिरकत की।

महोत्सव में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने चारभुजानाथ व रजत रेवाड़ी के दर्शन कर महिलाओं के साथ भजनों का लाभ उठाया व महोत्सव में मीरा स्मारक के कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रही। वहीं महिला बाल विकास मंत्री मंजू बाघमार, किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी, मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू, खींवसर विधायक रेवतराम डांगा, जनता प्रधान संदीप चौधरी, मेड़ता नगरपालिका अध्यक्ष शोभा लाहोटी, किन्नर समाज गादीपति राजकुमारी बाई कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर मीरा जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष व पूरी टीम के द्वारा उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। मीरा महोत्सव में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मीरा बाई के दर्शन किये।

इस मौके पर दीया कुमारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेड़ता मीरा की नगरी है, यहां आने का मौका इस महोत्सव में ही मिलता है। दीया कुमारी ने कहा कि मेड़ता में जो भी विकास कार्य होंगे वो गुणवत्ता के साथ होंगे। मेड़ता में एक पैरोनमा जल्द ही बनने जा रहा है, उसकी डीपीआर तैयार हो रही है। भारत सरकार व राजस्थान सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी कार्य कर रहे हैं। वहीं जहां पर कोई भगवान या भक्त सहित कई लोगों के सर्किल उनके नाम से निर्माण कराने का प्रस्ताव जन प्रतिनिधियों द्वारा आयेगा उस पर कार्य किए जाएंगे।

महिला बाल विकास मंत्री मंजू बाघमार ने कहा मेड़ता भक्ति भाव की नगरी है। यहां के नागरिक प्रेम भाव से भरे हुये हैं। मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू ने कहा कि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा मीरा महोत्सव को सरकारी कैलेंडर में स्थान दिलाने पर पूरा मेड़ता इनका आभारी है। मेड़ता से इनका सम्बन्ध पुराना है। इसलिए मेड़ता क्षेत्र में विकास की गंगा बही है और गुणवत्ता के साथ सड़कों का निर्माण करवाया है। इस मौके पर उपखंड अधिकारी पूनम चोयल, जितेंद्र गहलोत मीरा महोत्सव समिति अध्यक्ष, सचिव रविप्रकाश कमेडिया, विरमदेव सिंह जैसास, अभय सिंह भेसड़ा, ऋषभ राठी, लोक अभियोजक अभिमन्यु शर्मा, उमा शर्मा रजत, दशरथ सारस्वत, कैलाश गौड, मोहित माली, रवि गहलोत सहित कई लोग मौजूद थे।

मीरा महोत्सव में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने महिलाओं के साथ भजनों का आनंद लिया।

- **'मेड़ता में एक पैरोनमा जल्द ही बनने जा रहा है, उसकी डीपीआर तैयार हो रही है'**
- **दीया कुमारी ने चारभुजानाथ व रजत रेवाड़ी के दर्शन कर महिलाओं के साथ भजनों का लाभ उठाया**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 4 अगस्त, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र प्रात: 9:13 तक, ब्रह्म योग प्रात: 7:05 तक, गर करण दिन 11:42 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से प्रात: 9:13 तक है। रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। भद्रा रात्रि 12:47 से आरम्भ होगी। आज चतुर्थ सावन वन सोमवार व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:36 तक, शुभ 9:15 से 10:54 तक, चर 2:12 से 3:51 तक, लाभ-अमृत 3:51 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 7:09

मेष
पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन-मतभेद हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

'प्रधानमंत्री का अभियान हरियाली बढ़ाने के साथ प्रकृति से जुड़ने के अवसर प्रदान करता है '

कांग्रेस का सारा शासन झूठ की बुनियाद पर, भाजपा राजनीति से लोगों के जीवन में ला रही है सकारात्मक परिवर्तन : भूपेंद्र यादव

जयपुर/अलवर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को अलवर के थानागाजी स्थित उदयनाथ धाम में वन विहार एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने एक पेड़ मां के नाम और हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपना संकल्प व्यक्त किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा,'एक पेड़ मां के नाम' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक ऐतिहासिक एवं भावनात्मक अभियान है, यह हमें न केवल हमारी मातृभूमि एवं मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का अवसर देता है, बल्कि हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने का काम केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के द्वारा किया जा रहा है, राजस्थान में 2003 में भाजपा की सरकार को बनाने में भी भूपेंद्र यादव की अहम भूमिका रही थी। भूपेंद्र यादव जी के अपने क्षेत्र में इतने प्रवास होते है कि हर व्यक्ति के मुंह से इनका नाम सुनने को मिल रहा है। राजस्थान में जितने भी सांसद हैं जितने भी विधायक हैं भूपेंद्र यादव जी की तरह सब अपने-अपने क्षेत्र को संभालते रहे तो राजस्थान से भारतीय जनता पार्टी को कोई हटाने वाला नहीं है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण करने की अपील करते हुए कहा कि आप सब पेड़ लगाएं और बरगद के पेड़ की तरह समाज सेवा में समर्पित रहें। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के दौर में जनसंघ के कार्यकर्ताओं के साथ बहुत अन्याय किए गए, अनेक यातनाएं दी गई और लालच देकर उन्हें अपने साथ विलय करने की कोशिश की गई। इतनी यातनाओं और वेदनाओं को सहकर भी लोगों ने राष्ट्रीय राजनीतिक विचार को आगे बढ़ाने के संकल्प को नहीं छोड़ा यह भारतीय जनता पार्टी की विचार यात्रा थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर के थानागाजी स्थित उदयनाथ धाम में पौधारोपन किया ।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान इंदिरा गांधी के द्वारा यातनाएं देखकर जनसंघ को समाप्त करने की कोशिश की गई,लेकिन अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में अप्रैल 1980 में भारतीय जनता पार्टी का जन्म मुंबई में हुआ। अटल जी की वह पंक्तियां हमारे मन में हमेशा रहती है कि अंधेरा छटेगा, सूरज उगेगा और कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना बलिदान कश्मीर में भारत की एकता के लिए दिया। भाजपा ने कश्मीर से धारा 370 समाप्त करके देश को एक करने का काम किया। कांग्रेस ने सारा शासन झूठ की बुनियाद पर किया लेकिन भारतीय जनता पार्टी की राजनीति लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए है, अंतिम छोर तक खड़े हुए व्यक्ति को शासन की सारी सुविधाएं पहुंचाने के लिए है।

कार्यक्रम में संभाग प्रभारी नारायण पंचारिया, बहरोड़ विधायक जसवंत यादव, बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, कठूमर विधायक रमेश खींची सहित पार्टी के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा,'एक पेड़ मां के नाम' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया, एक ऐतिहासिक एवं भावनात्मक अभियान है, यह हमें न केवल हमारी मातृभूमि एवं मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का अवसर देता है**

कानोता बांध में युवक की डूबने से मौत

जयपुर। जामडोली थाना इलाके में स्थित कानोता बांध में रविवार सुबह एक युवक की डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस टीम की मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पारिवारिक कलह के चलते युवक ने कानोता बांध में कूद कर आत्महत्या की है। वहीं परिजनों का कहना है कि मृतक नहाने के लिए बांध गया था और पैर फिसलने से डूब गया। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

हेड कांस्टेबल रामसहाय ने बताया कि जामडोली के केशव विद्यापीठ चौराहे के पास रहने वाले 27 वर्षीय त्रिलोक ने कानोता बांध में कूद कर आत्महत्या की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं पाथेय कण पत्रिका के संरक्षक माणकचंद 'भाईजी' के निधन के उपरांत रविवार को अम्बाबाड़ी स्थित आदर्श विद्यामंदिर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, हरियाणा प्रभारी सतीश पूनियां समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पूर्वी राजस्थान क्षत्रिय समागम में हजारों राजपूतों ने भरी हुँकार

जयपुर। राजधानी में आज पूर्वी राजस्थान क्षित्रय समाज समागम ऐतिहासिक उत्साह, गरिमा और सामाजिक चेतना के साथ सम्पन्न हुआ। पहली बार जयपुर में पूर्वी राजस्थान के विभिन्न जिलों - भरतपुर, धौलपुर, करौली, दौसा, अलवर, सवाई माधोपुर, बहरोड़, डीग, खेरथल-तिजारा - से समाज के सैकड़ों प्रतिनिधियों, वरिष्ठजनों और युवाओं ने एक जाजम पर एकत्र होकर सामाजिक समन्वय और अधिकारों के लिए एकजुटता दिखाई।

उन्होंने कहा कि पूरे समाज की माँग है कि आर्थिक पिछड़ो में शामिल जातीयों की जनसंख्या के आधार पर इसे बीस फ़ीसदी तक बढ़ाया जाय ।

पंचायत राज व्यवस्था में एसी/एसटी, ओबीसी की तर्ज पर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करे। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे ईडब्ल्यूएस आरक्षण को राजस्थान की तरह सरल और व्यावहारिक बनाया जाए।शक्ति सिंह बांदीकुई ने कहा कि पूर्वी राजस्थान की 35 विधानसभा सीटों में सिर्फ एक राजपूत विधायक , 5 लोकसभा सीट पर एक भी सांसद नहीं , राजनैतिक पार्टियो को हमारा प्रतिनिधित्व बढ़ाना होगा,यह हमारा अधिकार है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि यदि इन आवश्यक सुधारों को लेकर सरकारें संवेदनशील नहीं हुईं, तो पूर्वी राजस्थान का क्षित्रय समाज एकजुट होकर सशक्त आंदोलन के लिए भी तैयार है।कार्यक्रम में यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन के चेयरमैन मेघराज सिंह रॉयल ने कहा कि अब आर्थिक कमजोरी प्रतिभावान बच्चो को उच्च शिक्षा में आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती, यूजीपीएफ ने एक साल से कम समय में शिक्षा के लिए चार करोड़ से अधिक राशि छात्रवृति के रूप में प्रदान की हैइस समागम में सेवानिवृत वयोवृद्ध आई ए एस रामवीर सिंह भंवर, सीनियर सर्जन डॉ एस पी सिंह,पत्रकार भंवर पुष्पेंद्र ,पत्रकार शिवेंद्र सिंह परमार सहित अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को पूर्वी राजस्थान क्षित्रय समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

- **ईडब्ल्यूएस आरक्षण 20 प्रतिशत तक बढ़े, पंचायत राज चुनाव में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू हो , केंद्र में ईडब्ल्यूएस आरक्षण सरलीकरण के साथ लागू हो**

दुष्कर्म की कोशिश करने वाला आरोपित गिरफ्तार

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की से दुष्कर्म की कोशिश करने वाले आरोपित परिचित युवक को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि वह उत्तर प्रदेश भागने की फिराक में घर से निकला था। पुलिस फिलहाल आरोपित से पूछताछ कर रही है।

जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में आरोपित हासिम खान निवासी सराय जिला फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) गिरफ्तार को किया है। 29 जुलाई को जयसिंहपुरा खोर के रहने वाले व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया था कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ परिचित युवक ने डरा-धमकाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। किसी को बताने पर मारने की धमकी भी दी। डरी-सहमी नाबालिग बेटी ने परिजनों को आपबीती सुनाई। परिजनों को पता चलने आरोपित फरार हो गया। पुलिस ने आरोपित का पीछा कर उसे ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टेंड से धर-दबोचा।

संकट के समय में सही निर्णय लेना अहिंसा को प्रभावित करता है : के के गुप्ता

जयपुर। दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट और इंद्र प्रभा चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर के सहयोग से रविवार को जयपुर अहिंसा फेस्टिवल 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के कोऑर्डिनेटर तथा नगर परिषद डूंगरपुर के पूर्व सभापति के के गुप्ता रहे। आयोजन समिति द्वारा गुप्ता का स्वागत अभिनंदन किया गया।

भगवान महावीर स्वामी और भारत माता के जयकारो के साथ अपना ओजस्वी उद्बोधन देते हुए गुप्ता ने कहा कि हमारा देश एक विकसित और विश्व गुरु देश तब बन सकता है जब देश का प्रत्येक नागरिक स्वच्छता सहित पर्यावरण और जल संरक्षण को अपने जीवन में एक नैतिक कर्तव्य के रूप में अपनाए। आज हम देख रहे हैं कि वृक्षारोपण कम होने के कारण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रहा है तथा हमारा देश के लोगों की जीवन प्रत्याशा दर भी अन्य देशों के मुकाबले कम हो रही है, देश में 66 वर्ष की औसत आयु हो रही है जबकि विदेशों में यह औसत आयु 88 वर्ष है। भारत देश के लोग जल्दी मर रहे हैं इसका भी एक प्रमुख कारण पर्यावरण का शुद्ध नहीं होना है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी देश से अपील की है कि एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान में आगे बढ़कर साथ दे और इस वर्ष काल में देशभर में करोड़ों की संख्या में वृक्षारोपण किया जाना चाहिए और सिर्फ फोटोग्राफी अथवा भाषण तक वृक्षारोपण कार्यक्रम को सीमित नहीं रख बल्कि सही ईमानदारी के साथ तथा लगभग 8 से 12 फीट ऊंचाई के वृक्ष लगाने होंगे इसके साथ ही वृक्ष की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। गुप्ता ने यह भी कहा कि हमें एक पेड़ स्वयं के नाम से भी आवश्यक रूप से लगाना चाहिए क्योंकि जब हमारा अंतिम समय आएगा और शमशान घाट में अंतिम संस्कार के समय लगभग एक पूरे वृक्ष के बराबर लकड़ी की आवश्यकता रहती है। इसलिए एक मनुष्य अपने जीवन काल में कम से कम एक पेड़ तो अवश्य ही लगे जो अपने अंतिम संस्कार विधि में काम आएगा। उन्होंने संदेश दिया कि गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए जो मुहिम चलाई जा रही है इसमें राजस्थान के लोग भी अपनी भागीदारी निभाएं। हमारे वेद पुराण में लिखे गए वाक्य अनुसार पहली रोटी गाय के नाम निकाले और गौ माता की सेवा करें लेकिन यह भी ध्यान रखा जाए कि आज के समय में गौ माता सड़कों पर बेसहारा घूम रही है ऐसा नहीं होना चाहिए और हमें प्लास्टिक उपयोग भी बंद करना होगा ताकि गौ माता प्लास्टिक खाकर और असमय ही काल का ग्रास नहीं बने और हम भी पाप के भाग नहीं बने। इसके साथ ही वैज्ञानिक को द्वारा भी यह सिद्ध किया गया है कि गौ माता जो प्लास्टिक का सेवन करती है तथा उसके दूध का यदि हम सेवन करते हैं तो हमें कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का भी खतरा उत्पन्न हो सकता है।

गुप्ता ने कहा कि संकट के समय में संयम के सही निर्णय लेना अहिंसा को प्रभावित करता है और समस्या का निस्तारण करने की सोच हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी में है और इसी दूरदर्शी सोच के साथ मोदी जी ने हाल ही में किए गए ऑपरेशन सिंदूर में पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान और उसका साथ देने वाले अन्य देशों को भी यह कड़ा संदेश दिया है कि यह नया भारत है जो झुकना नहीं जानता है।

- **जयपुर अहिंसा फेस्टिवल 2025 का आयोजन, वृक्षारोपण करने और स्वच्छता को जीवन में उतारने का किया आव्हान**

विप्र फाउंडेशन ने किया चतुर्वेदी का अभिनंदन

विप्र फाउंडेशन ने डॉ अरुण चतुर्वेदी को श्री परशुराम जी की मूर्ति भेट कर अभिनंदन किया।

जयपुर। विप्र फाउंडेशन राजस्थान जोन-1 की ओर से राजस्थान वित्त आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी का अभिनंदन किया गया।विप्र फाउंडेशन की ओर से डॉ अरुण चतुर्वेदी को श्री परशुराम जी की मूर्ति भेट कर उनकी राजनीतिक यात्रा और सेवा मार्ग पर निरंतर अग्रसर होती रहे, इसकी कामना की गई।

स्वागत में विप्र फाउंडेशन प्रदेश अध्यक्ष राजेश कर्नल एडवोकेट, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र हर्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश शर्मा काका, प्रदेश सचिव हितेश शर्मा, दीपेश शर्मा ,एडवोकेट विजय भारद्वाज,जयपुर जिला मंत्री सुनील शर्मा,प्रदीप शर्मा,दिलीप भारद्वाज आदि उपस्थित थे।

बिटकॉइन में निवेश में लाखों रुपए गवाने से आहत होकर युवक ने खुद को आग लगाई

जयपुर। भांकरोटा थाना इलाके में बिटकॉइन में निवेश का झांसे में आकर लाखों रुपए गवाने से आहत होकर युवक ने खुद को आग के हवाले कर अपार्टमेंट की 9वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट में अपने परिजनों से माफी मांगी। हादसे के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर मौके पहुंची ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया।

थानाधिकारी मनीष गुप्ता ने बताया कि हैरिंग गार्डन निवासी आदित्य शर्मा (24) ने अपने परिवार सहित रहता था और बगरु स्थित ग्रेनाइट कंपनी में नौकरी करता था। शनिवार रात आदित्य नौकरी से घर लौटा था उसी समय छोटा भाई मोहित किसी काम से बाहर चला गया। पिता नरेंद्र और आदित्य ही घर पर थे। आदित्य देर रात अपार्टमेंट से नीचे उतरा और बाइक से बोतल में पेट्रोल निकाला और अपार्टमेंट की 9वीं मंजिल पर चला गया। जहां पर उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली और 9वीं मंजिल से छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ही मृतक के पिता नरेंद्र को मामले की जानकारी दी।आग की लपटों में घिरे युवक की आत्महत्या की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्तगी के प्रयास किए। आसपास पूछताछ करने पर पता चला की आदित्य की मां रीना गोवर्धन पूजा करने के लिए गई हुई और पिता और छोटा बेटा मौजूद है।

जैसे ही पुलिस ने युवक की शिनाख्त कराई तो पिता नरेंद्र के पैरों तले जमीन निकल गई और पूरे अपार्टमेंट में कोहराम मच गया। पुलिस ने हादसे के बाद मृतक के मोबाइल फोन को खंगाला तो उसमें वाट्स एप पर सुसाइड नोट बरामद हुआ।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गौशाला संचालकों एवं अधिकारियों के साथ बैठक की

मंत्री जोराराम कुमावत (बीच में) ने अधिकारियों के साथ जिला परिषद के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

जयपुर/झालावाड़ । राजस्थान सरकार के पशुपालन, डेयरी, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य को दुग्ध उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर लाने के लिए सरकार बहुआयामी रणनीतियों पर कार्य कर रही है। वे रविवार को झालावाड़ जिले में गौशाला संचालकों, पशुपालकों एवं पशुपालन व डेयरी विभाग के अधिकारियों के साथ जिला परिषद के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

खासकर दुग्ध उत्पादन के लिए गिर गाय में ब्राजील से आयातित सीमन से कृत्रिम गर्भाधान किया जा रहा है। इससे गिर गाय के दूध के उत्पादन में दोगुनी से भी ज्यादा वृद्धि होगी। इसके अलावा प्रदेश में गाय की संख्या में बढोतरी के लिए सैक्स सोर्टेड सीमन योजना को लागू किया गया है। ऐसा होने से प्रदेश में गौवंश की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन भी बढ़ेगा।

कुमावत ने इस अवसर पर कहा कि सेक्स सोर्टेड तकनीक किसानों तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए मील का पत्थर साबित होगी। अभी यह तकनीक पशुपालकों के लिए महंगी है इसीलिए सरकार इस तकनीक को पशुपालकों की पहुंच में लाने के लिए सस्ती दर पर सेक्स सोर्टेड सीमन पशुपालकों को उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि यह तकनीक पशुपालन के क्षेत्र में एक वरदान साबित होगी क्योंकि इस तकनीक से मादा पशुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी और नर पशुओं की संख्या में कमी आएगी।

कुमावत ने निर्देश दिए कि दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में समितियां किसानों से नियमित संवाद करें और अपने कार्यों को और प्रभावी बनाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि जो पशुपालक और डेयरी क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे हैं, उन्हें सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जाएगा।

बैठक में झालावाड़-बारां सांसद दुष्यंत सिंह, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, मनोहर थाना विधायक गोविन्द रानीपुरिया, डग विधायक कालूराम मेघवाल, पूर्व विधायक नरेंद्र नागर, आरपीएससी के पूर्व चेयरमैन श्याम सुंदर शर्मा, जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन शर्मा, सीईओ शम्भूदयाल मीणा, जिला स्तरीय अधिकारी, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रतिनिधि तथा जिले के प्रमुख गौशाला संचालक उपस्थित रहे।

बैठक से पहले कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन किए और झालरापाटन स्थित गौ संसार गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला में गौवंश के रखरखाव, चारे-पानी एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान गौशाला प्रबंधकों द्वारा मंत्री कुमावत को अवगत कराया गया कि गौशालाओं में पशुओं की चिकित्सा सुविधा एक प्रमुख आवश्यकता है। इस पर जानकारी दी गई कि राज्य सरकार द्वारा संचालित 1962 मोबाइल वेटरनरी यूनिट के माध्यम से नि:शुल्क पशु चिकित्सा सेवाएं प्राप्त की जा सकती हैं।

- **कुमावत ने इस अवसर पर कहा कि सेक्स सोर्टेड तकनीक किसानों तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए मील का पत्थर साबित होगी**

केनरा बैंक में चोरी का प्रयास करने वाले शटर तोड़ गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। झोटवाडा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए में केनरा बैंक में चोरी के लिए घुसे मध्य प्रदेश की शटर तोड़ गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि बदमाशों ने दिन में टारगेट चुनकर रात को वारदात करते है। पुलिस पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा होने की संभावना जताई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि झोटवाडा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए में केनरा बैंक में चोरी के लिए घुसे मध्य प्रदेश की शटर तोड़ गैंग के बदमाश गिर्राज सैन (26) निवासी गुना मध्यप्रदेश,हाल झोटवाड़ा और कुमेर सिंह अहिरवाल (28) निवासी गुना मध्य प्रदेश, हाल रावणगेट करधनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनो ही आरोपित मकान तोड़ने और झिरी खोदने का काम करते हैं। मकानों में काम के दौरान आस-पास के घर-दुकानों और बैंकों की रेकी करते है। उसके बाद साथियों से मिलकर वारदात को अंजाम देते।

पूछताछ में सामने आया है कि दिन के समय बाइक से टारगेट को चिह्नित करते थे। उसी के आस-पास किराए का कमरा लेकर या पार्क में बैठकर समय बिताते। रात होने के बाद नकाब पहनकर चोरियां करते।

गौरतलब है कि झोटवाड़ा के भौमिया नगर में केनरा बैंक की ब्रांच है। बैंक की वरिष्ठ प्रबंधक रवनीत कौर (35) ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि 27 जुलाई की रात को बदमाशों ने चोरी की नीयत से बैंक का शटर तोड़कर चैनल गेट से बदमाश अंदर घुसे और फिर ट्रेजरी में बने स्ट्रॉन्ग रूम के लॉक को तोड़ने का प्रयास किया। काफी कोशिश के बाद भी कामयाब नहीं होने पर पकड़े जाने के डर से फरार हो गए थे। पुलिस ने मिले सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों को चिन्हित किया।

पुलिस ने बदमाश गिर्राज सैन और कुमेर सिंह करधनी को गिरफ्तार किया

- **पूछताछ में सामने आया है कि दिन के समय बाइक से टारगेट को चिह्नित करते थे**

बिना प्रक्रिया अपनाए पंचायत सदस्यों को हटाने पर जताई आपत्ति

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायत सदस्यों को हटाने से जुड़े कई मामलों पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि वर्ष 1996 के राजस्थान पंचायती राज नियमों के नियम 22 में निर्धारित अनिवार्य प्रक्रिया का पालन किए बिना इन्हें हटाने के आदेश पारित किए जा रहे हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने पाया कि जांच अधिकारी इन नियमों से भलीभांति अवगत नहीं हैं, जिससे आदेशों में गंभीर त्रुटियां हो रही हैं। कोर्ट ने पंचायती राज विभाग के प्रमुख सचिव, संभागीय आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे सभी पंचायत समितियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को नियम 22 के महत्व के बारे में सूचित करें, ताकि भविष्य में चुने हुए जनप्रतिनिधियों को हटाते समय ऐसी गलतियों से बचा जा सके। कोर्ट ने यह भी कहा कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुना हुआ प्रतिनिधि जनता की आवाज़ होता है और उसे उसके पद से हटाने में अत्यधिक सावधानी व निष्पक्ष प्रक्रिया का पालन आवश्यक है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को हटाने के आदेश को रद्द करते हुए नियम 22 की पालना करते हुए मामले में पुन: विचार करने को कहा है।

कालोटा में दबिश देने गई वन विभाग की टीम पर खनन माफिया ने पत्थर बरसाये

टीम ने खेतड़ी, चिड़ावा और झुंझुनूं रेंज के स्टाफ के साथ कालोटा गांव में दबिश दी

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के खेतड़ी इलाके के कालोटा गांव में रविवार को कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम के सामने खनन माफिया हो गए। टीम पर ना केवल पत्थर बरसाए गए, बल्कि करीब पांच किलोमीटर तक वन विभाग की गाड़ियों और जब्त ट्रैक्टरों को छुड़वाने के लिए दो दर्जन से अधिक बाइकों पर सवार युवकों ने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को धमकियां दी।

एसीएफ कमलचंद ने बताया कि काफी दिनों से सूचना मिल रही थी कि कालोटा वन क्षेत्र स्थित पहाड़ी में अवैध खनन माफिया सक्रिय हो रहे हैं, जिस पर झुंझुनूं डीएफओ गुलजारीलाल जाट के निर्देशन में रविवार को खेतड़ी, चिड़ावा और झुंझुनूं रेंज के स्टाफ के साथ कालोटा गांव में दबिश दी गई। टीम मौके पर पहुंची तो वहां पर करीब डेढ़ दर्जन ट्रेक्टरों में अवैध चेजा पत्थर भरा हुआ था, लेकिन टीम को देखकर सभी ट्रैक्टर इधर-उधर भाग गए। मौके पर टीम ने चार ट्रैक्टरों को पकड़ा और उन्हें अपने साथ ले जाने लगे तो पहाड़ी में छुपे खनन माफियाओं ने पत्थर बरसाने शुरू कर दिए, जिसके चलते महिला वनकर्मी और वाहन बाल-बाल बचे। टीम ने जैसे तैसे दो ट्रैक्टर और एक आरोपी को अपने साथ लिया और मौके से रेंज कार्यालय खेतड़ी के लिए रवाना हुए।

वन विभाग की टीम ने दो ट्रैक्टरों को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया।

- पांच किमी तक वन विभाग की गाड़ियों और जब्त ट्रैक्टरों को छुड़वाने के लिए दो दर्जन से अधिक बाइक सवार युवकों ने अधिकारियों व कर्मचारियों को धमकियां दी
- वन विभाग की टीम को चलती बाइक से धमकी देने और भारी संख्या में बाइकों को गाड़ियों के आगे-पीछे दौड़ने का वीडियो भी वायरल हो रहा है

रेंजर विजय कुमार फगेड़िया ने बताया कि खनन माफियाओं में किसी प्रकार का खौफ नहीं दिखा, जिस आरोपी शीशराम को वन विभाग की टीम ने पकड़ा था, उसका ही सगा भाई भागीरथ बाइक पर अपने साथियों के साथ आया। भागीरथ और उसके साथ बड़ी संख्या में युवक करीब दो दर्जन बाइकों पर सवार थे, जिन्होंने कालोटा से लेकर बबाई तक, करीब पांच किलोमीटर तक वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को धमकाने और डराने की कोशिश की। साथ ही जब्त ट्रैक्टर और अपने भाई को छुड़वाने की कोशिश की, लेकिन नाकामयाब रहे। वन विभाग की टीम को चलती बाइक से धमकी देने और भारी संख्या में बाइकों को गाड़ियों के आगे पीछे दौड़ने का वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि खेतड़ी इलाके में खनन माफियाओं की हद तक बेखौफ हो चुके हैं।

वहीं टीम ने दो ट्रैक्टरों को जब्त कर शीशराम नाम के चालक को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई टीम में एसीएफ कमलचंद, रेंजर विजय फगेड़िया, वनपाल संजय कुमार, सत्यवीर झाझड़िया, सहायक वनपाल पिंकू कुमार, मनोज कुमार मीणा, ओमप्रकाश, वनरक्षक भारत कुमार, सुमेर सिंह, राधेश्याम गुर्जर कविता कुमारी, सुमन कुमारी, महेंद्र सिंह, वाहन चालक रामकुमार, महिपाल सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

प्रदेश के 509 प्रिंसिपल का तबादला, आदेश जारी

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग में ट्रांसफर का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश के 509 प्रिंसिपल के ट्रांसफर कर दिए गए हैं। बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को उनके जिले से बाहर अन्य जिलों में भी भेजा गया है, वहीं कुछ प्रिंसिपल को पदस्थापन की प्रतीक्षा (एपीओ) करते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में हाजिरी देने के आदेश दिए गए हैं। लंबे इंतजार के बाद जारी इस लिस्ट से कुछ प्रिंसिपल अपनी होम डिस्ट्रिक्ट पहुंच रहे हैं, वहीं कुछ को घर से दूर जाना पड़ रहा है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी प्रिंसिपल तुरंत प्रभाव से अपने कार्य स्थल से रिलीव होंगे और नए स्थान पर ज्वाइन करेंगे। 53 पेज के तबादला आदेश में सभी जिलों के प्रिंसिपल शामिल किए गए हैं। कुछ प्रिंसिपल को स्कूल से हटाकर अब ब्लॉक एलिमेंटरी एज्यूकेशन ऑफिसर (बीईओ) बना दिया गया है। इन पद पर आने वाले प्रिंसिपल को अपना गृह जिला छोड़ना पड़ा है। वहीं बीईओ पद से कुछ को वापस स्कूल में प्रिंसिपल बना दिया गया है।

- बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को उनके जिले से बाहर अन्य जिलों में भी भेजा गया
- कुछ प्रिंसिपल को एपीओ करते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में हाजिरी देने के आदेश दिए

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक पद पर कार्यरत कुछ प्रिंसिपल को अब अन्य जिलों में जाना पड़ा है। बीकानेर के अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा ओमप्रकाश गोदारा का ट्रांसफर अब बाड़मेर के राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल ढाको का ताला धनाऊ किया गया है।

जैसलमेर से गोपी किशन व्यास को बीकानेर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एडीओ की जिम्मेदारी मिली है। उधर, संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा कार्यालय में रामकिशोर को पदस्थापित किया गया है, जो अब तक देरासर के सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल में प्रिंसिपल थे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक के स्टाफ ऑफिसर के ऑफिस में मीना खत्री को नई जिम्मेदारी दी गई है। मीना खत्री वर्तमान में राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल देराजसर में प्रिंसिपल पद पर थी। इला पारीक और गोमाराम जीनगर को भी संयुक्त निदेशक बीकानेर ऑफिस में सहायक निदेशक के रूप में लगाया गया है।

गुरु प्रसाद भार्गव को सियासर पंचकोसा के सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल से, भरत रामावत को सियाणा भाटियान के सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय लाया गया है। अरविन्द शर्मा को राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल लालसर से पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय में लगाया गया है। चूरू से संदीप शर्मा को निदेशालय में ही सहायक निदेशक पद पर लगाया गया है।

अनिल कुमार गोगिया को गोविंदसर के सीनियर सैकंडरी स्कूल से निदेशालय में एडीईओ लगाया गया है। दिनेश कुमार आचार्य को भी पहलवान का बेरा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से अब शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय में लगाया गया है। संज्ञा गुप्ता को जयसिंहदेसर मगरा से प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक पद पर जिम्मेदारी दी गई है। अरविन्द बिट्टू, रामनिवास, कृष्ण लाल को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में एडीईओ की जिम्मेदारी दी गई है।

जैसलमेर से गोपी किशन व्यास को भी माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में पोस्टिंग मिली है। चंद्रहास मेघवंशी को प्रारम्भिक शिक्षा में सीनियर डिप्टी डीईओ और नीतू वर्मा को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर लगाया गया है। अर्चना शर्मा को भी माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में लगाया गया है। प्रिंसिपल की बड़ी लिस्ट के बाद अब एक और लिस्ट जारी हो सकती है। जिसमें शेष रहे प्रिंसिपल के भी तबादले हो सकते हैं। उधर, लेक्चरर, हेड मास्टर और सेकेंड ग्रेड टीचर्स भी ट्रांसफर के इंतजार में है।

नीमकाथाना क्षेत्र के अधिकांश गांवों के लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर

ग्रामीणों ने समस्या के बारे में अनेक बार विभागीय अधिकारियों से लेकर स्थानीय प्रशासन को भी अवगत कराया, पर कोई ध्यान नहीं दिया गया

पाटन, (निसं)। प्रदेश के कई ग्रामीण अंचलों में लोग वर्षों से फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर हैं। नीमकाथाना क्षेत्र के अधिकांश गांव के लोगों को फ्लोराइड युक्त पानी पीना पड़ रहा है, जिसको लेकर ग्रामीणों ने अनेक बार विभागीय अधिकारियों से लेकर स्थानीय प्रशासन को भी अवगत करवाया, परंतु प्रशासन ने भी इस गंभीर समस्या के समाधान की तरफ ध्यान नहीं दिया। इतनी बड़ी समस्या के बावजूद भी न तो कोई सुनने वाला है और न ही कोई बोलने वाला है। राजस्थान और हरियाणा समेत केंद्र में भी भाजपा की सरकार होने के बावजूद बहुप्रतीक्षित कुंभाराम लिफ्ट परियोजना को अभी तक धरातल पर नहीं लाया गया है। यह परियोजना यदि शुरू की जाती, तो हजारों लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल सकता था। परंतु स्थितियां जस की तस बनी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि फ्लोराइड युक्त पानी पीने से बच्चों और युवाओं में हड्डियों की कमजोरी, दांतों का खराब होना और अन्य शारीरिक विकृतियां तेजी से फैल रही है। इसके साथ ही इलाके में लगातार उड़ती धूल और मिट्टी ने लोगों की सेहत को और खराब कर दिया है। डोकण निवासी मनिष चतुर्वेदी ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि सिर्फ योजनाएं बनती है, लेकिन जमीन पर कुछ भी नहीं दिखाई देता। कुंभाराम लिफ्ट परियोजना जैसे जल जीवनदायिनी प्रयास को शीघ्र शुरू किया जाना नितांत आवश्यक है, ताकि आमजन को राहत मिल सके और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दिया जा सके।

- बहुप्रतीक्षित कुंभाराम लिफ्ट परियोजना यदि शुरू हो जाती, तो हजारों लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल सकता था
- ग्रामीणों का कहना है कि फ्लोराइड युक्त पानी पीने से बच्चों और युवाओं में हड्डियों की कमजोरी, दांतों का खराब होना और अन्य शारीरिक विकृतियां तेजी से फैल रही है

डॉ. सतीश पूनियां आज से प्रदेश के सात जिलों के प्रवास पर

जयपुर। भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां सोमवार से 7 अगस्त तक राजस्थान के 7 जिलों के प्रवास पर रहेंगे, जहां वह विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सतीश पूनियां मारवाड़, मेवाड़-वागड़ के चार दिवसीय प्रवास पर डीडवाना-कुचामन, नागौर, अजमेर राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा इत्यादि जिलों में पार्टी कार्यक्रमों, कार्यकर्ता मिलन, कार्यकर्ताओं को सम्बल और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

सतीश पूनियां सोमवार को सुबह दस बजे जयपुर से सड़क मार्ग द्वारा डीडवाना कुचामन और नागौर जिले के लिए प्रस्थान करेंगे, दोपहर एक बजे कुचामन एवं तीन बजे रोल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करेंगे, शाम 5 बजे मूंडवा में पूर्व जिला अध्यक्ष रमाकांत शर्मा के निवास स्थान पर उनकी माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, शाम 6:30 बजे रैण में रामस्नेही आश्रम और रात्रि आठ बजे मेड़ता में मीरा महोत्सव में शामिल होंगे। पांच अगस्त को सतीश पूनियां सुबह 11 बजे नाथद्वारा में श्रीनाथजी भगवान के दर्शन करेंगे, उदयपुर में दोपहर एक बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे और दोपहर तीन बजे उदयपुर के शोभागपुरा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। छह अगस्त को पूनियां डूंगरपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक आदिवासी माता-बहनों के साथ रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल होंगे, शाम छह बजे चित्तौड़गढ़ के मंडफिया में श्री सांवलिया सेठ जी के दर्शन करेंगे, इसके बाद गोकुल विश्रांति गृह में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। सात अगस्त को सुबह सतीश पूनियां भीलवाड़ा स्थित जैन स्थानक में डॉ. कुमुदलता जी महाविद्वानसति के दर्शन करेंगे, पूर्व सभापति दिनेश शर्मा के निवास स्थान पर उनकी माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, 12 बजे से भीलवाड़ा सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे, शाम को चार बजे माधव गौशाला जाएंगे, शाम को पांच बजे जयपुर के लिए सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान करेंगे।

- डॉ. पूनियां मारवाड़, मेवाड़-वागड़ में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे

करंट लगने से बुजुर्ग की मौत

टोंक, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के रामापीर कॉलोनी में गुजर रही 11 केवी लाइन के करंट की चपेट में आने से शनिवार को झुलसे बुजुर्ग की जयपुर में एक अस्पताल में मौत हो गई, जिसके बाद रविवार को परिजनों और कॉलोनी के लोग रविवार को धन्ना तलाई क्षेत्र में कृषि मंडी रोड पर जाम लगाकर धरने पर बैठ गए। साथ ही बिजली निगम और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इसकी सूचना मिलने के बाद टोंक एसडीएम व अति. पुलिस अधीक्षक एवं तहसीलदार, थाना कोतवाली प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की, लेकिन परिजन व क्षेत्रवासी नहीं माने तथा उन्होंने मृतक के एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने और 50 लाख रुपए देने की मांग की। पांच घंटे बाद सहमति बनी। सहमति के तहत मृतक के एक आश्रित को संविदा पर नौकरी, ज्यादा से ज्यादा सहायता राशि दिलवाने और हाईटेंशन लाइन को हटाने के आश्वासन पर सहमति बनी।

नीट परीक्षा में अच्छे नंबर दिलाने का झांसा देकर छात्र से 8.50 लाख ठगे

कोटा, (निसं)। शहर में मेडिकल एंट्रेंस की कोचिंग करने आए बिहार के छात्र से नीट यूजी परीक्षा पास करवाने की एवज में लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि आरोपी भी छात्र के दोस्त हैं, जिन्होंने उससे परीक्षा पास करवाने की एवज में लाखों रुपए ठग लिए। ठगी का मामला सामने आने पर जवाहर नगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले मे सामने आया कि ठगी का पीड़ित छात्र बिहार के मुजफ्फरपुर के कुढ़नी थाना इलाके के मादापुर रायती निवासी है। उसकी दोस्ती दो लड़कों से हुई थी। पढ़ाई के दौरान कुछ परेशान रहने लगा तो इस पर दोनों दोस्तों ने नीट में अच्छे से अच्छे नंबर दिलाने का झांसा दिया। जिसके लिये 13 लाख रुपए की मांग की। इसके बाद छात्र ने अपनी बहन की शादी के लिए पिता की ओर से खाते में डाले हुए 8.50 लाख रुपए निकाल कर आरोपी को दे दिए। जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण ने बताया कि बिहार निवासी एक छात्र ने नीट की परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने के नाम पर उससे साढ़े आठ लाख की ठगी होने की शिकायत दी। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में फरियादी छात्र व रूपये की ठगी करने वाला छात्र भी बिहार का निवासी है और दोनों दोस्त हैं। मामले में फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

बीस लाख की अवैध शराब मय वाहन जब्त

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में पुलिस ने बीस लाख की अवैध शराब मय पिकअप वाहन जब्त किया है।

महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव के आदेश पर डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, डबोक थानाधिकारी हुकमसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबीर से मिली सूचना पर ओडवाड़ीया से झंझेला मार्ग पर तालाब के पास श्मशान भूमि के तरफ रास्ते पर एकांत में पिकअप वाहन खड़ा था। जिसका त्रिपाल हटा कर तलाशी ली तो उसमें 78 कर्टन अवैध शराब के पाए गए। इसी दौरान भैसड़ा कला में आवलिया का कुआ से भैसड़ा कला गांव रोड़ पर किशन पुत्र गणेश डांगी के मकान के पास बाड़े में होने पर मौके पर दबीश देकर 180 कर्टन अवैध शराब के जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। इस दौरान किशन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। बरामद शराब की बाजार कीमत बीस लाख रूपये बताई जाती है।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने मानसून फेस्ट में शिकरत की

अजमेर, (कासं)। डीएवी कॉलेज के खेल मैदान में अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की मातृ शक्ति की ओर से मानसून फेस्ट का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा आयोजित यह उत्सव सशक्तिकरण, मनोरंजन और जागरूकता का संगम बना। इसमें महिलाओं के मनोरंजन के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं हुई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मानसून फेस्ट में महिलाओं के साथ बच्चों के मनोरंजन का भी विशेष ध्यान रखा गया। बच्चों के विभिन्न प्रकार के झूले व 30-40 प्रकार की स्टॉलें लगाई गई।

विधायक अनिता भदेल ने बताया किमहिलाओं को जागरूक तथा उनके अधिकारों की जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। यहां पर महिलाओं को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए स्वास्थ्य विभाग ने भी शिविर लगाया। साथ ही अन्य व्यवस्थाएं भी की गई। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, राज्य मंत्री मंजू बाघमार, विधायक अनिता भदेल, लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, पूर्व विधायक अनिता सिंह गुर्जर आदि ने भी शिरकत की।

सांसद राजकुमार रोत के आरक्षण पर पूर्व में दिए बयान पर भील समाज ने किया हंगामा

सांसद रोत का विरोध करने पहुंचे भील समाज और पुलिस में लाठी-भाटा जंग हुई

झालावाड़, (निसं)। आदिवासी दिवस के अवसर पर झालावाड़ में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत के आरक्षण पर दिए पूर्व के बयान पर भील समाज के ही एक अन्य गुट ने हंगामा कर दिया।

जानकारी के अनुसार राजकुमार रोत का विरोध कर रहे लोग पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अरविंद भील के नेतृत्व में कार्यक्रम के मंच तक पहुंच गए और राजकुमार रोत के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। राजकुमार रोत का कहना है कि कुछ लोगों ने रोत पर हमला करने का भी प्रयास किया। मौके पर राजकुमार ने विरोध करने वालों से कहा कि वह झंडे नीचे कर ले और मंच पर आकर बैठें, कोई मनमुटाव है तो उसको दूर कर लेंगे, लेकिन विरोध करने वाले लोगों ने एक ना सुनी और लगातार नारेबाजी करते रहे, ऐसे में पुलिस द्वारा राजकुमार रोत का विरोध कर रहे लोगों को कार्यक्रम स्थल से दूर ले जाकर खड़ा कर दिया गया। कुछ देरी के बाद जब पुलिस दूसरे गुट का नेतृत्व कर रहे अरविंद भील को समझाइश करते हुए अपने साथ लेकर जाने लगी तब लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। कुछ दूरी पर जाकर अरविंद भील ने अपने समर्थकों से हंगामा नहीं करने की अपील भी की, लेकिन इसी बीच कुछ लोगों ने पत्थर फैंक दिए और मौके पर भगदड़ मच गई। ऐसे में पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा तथा पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए पत्थरबाजों एवं हंगामा करने वाले लोगों को खदेड़ दिया। पत्थरबाजी में कुछ पुलिसकर्मियों के चोटिल होने की बात भी सामने आई है। मौके पर कुछ बदमाश पुलिस पर बड़े-बड़े पत्थर उठाकर हमला कर रहे थे, ऐसे में पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया जाना जरूरी हो गया था, अन्यथा कोई बड़ी दुर्घटना भी घट सकती थी। हंगामा कार्यक्रम स्थल से लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर हुआ। हंगामे के दौरान कई दो पहिया वाहन टूट गए तथा भगदड़ के दौरान लोग आसपास के घरों में घुस गए, जहां से अराजक तत्वों को पुलिस द्वारा जबरदस्ती बाहर निकाल गया। मामले में पुलिस द्वारा अरविंद भील सहित कुछ लोगों को डिटेन किया गया है।

आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम में पहुंचे सांसद का विरोध करने पर पुलिस व भील समाज के लोगों के बीच झड़प हुई।

- सांसद राजकुमार रोत ने विरोध करने के मामले में बीजेपी पर निशाना साधा, कहा कि इस हंगामे के पीछे भाजपा संगठन से जुड़े लोग शामिल हैं, जो लोग मेरा विरोध कर रहे हैं

सांसद राजकुमार रोत ने विरोध करने के मामले में बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस हंगामे के पीछे भाजपा संगठन से जुड़े लोग शामिल हैं, जो लोग मेरा विरोध कर रहे हैं। उन्हें बता दूं कि मुझे झालावाड़ से चुनाव नहीं लड़ना। जो लोग मुझसे लड़ने आए, वह समाज के मानसिक विकलांग हैं, जो लड़ाई करने आए थे, उन पर बड़े राजनीतिक घरों के लोगों का श्रेय था। सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि 2016 में हमला करने वाले आज हमारे साथ खड़े हैं। मैं अपने दावे के साथ कहता हूं, आज जो भी आए थे, कुछ तो नासमझ थे। उनको दुनियादारी से कोई मतलब नहीं। उनको उकसाया गया, वो भी एक दिन साथ खड़े होंगे, जो हमसे 8 साल पहले लड़ाई करने आए थे, वो भाई आज हमारे साथ खड़े हैं। उनके आज समझ आया, हमें खुशी है। जब 2016 में हम पर हमला हुआ था। हमारे साथी आज आसपुर से विधायक हैं। उनका हाथ फ्रैक्चर हुआ था। हमारे ही कुछ भाई जो मानसिक रूप से दिव्यांग थे, उन्होंने किसी के कहने पर हमला कर दिया था। हालांकि खुशी इस बात की है कि आज वहीं भाई हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हमें बांट रहे हैं, लेकिन हमें अपने लिए लड़ना पड़ेगा और लड़ेंगे।

स्कूल हादसे पर राजकुमार रोत ने कहा कि झालावाड़ स्कूल हादसे पर सरकार ड्रामा कर रही है। सांसद रोत ने झालावाड़ स्कूल हादसे पर भी प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की 10-10 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा केवल औपचारिकता है। इस घटना के बाद प्रशासन ने अंतिम संस्कार में मां-बाप को भी शामिल नहीं होने दिया गया, जबकि प्लेन हादसे में प्रत्येक व्यक्ति को एक करोड़ का मुआवजा दिया। रोत ने कहा कि समाज के बच्चों को 10 लाख नहीं दिए हैं, यह सहायता तो सरकार की योजना है। सरकार ने अलग से कुछ नहीं दिया। केवल ड्रामा कर रहे हैं।

सैन्य प्रतिष्ठानों के पास अफीम तस्कर गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले बीकानेर में सेना की इंटेलिजेंस यूनिट और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़ा नशा तस्करी रैकेट सामने आया है। इस कार्रवाई के दौरान बीकानेर के शोभासर सर्कल से 452 ग्राम अफीम के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

यह इलाका न केवल व्यावसायिक रूप से व्यस्त है बल्कि भारतीय सेना और वायुसेना के महत्वपूर्ण ठिकानों के बेहद करीब भी है। गिरफ्तार युवक की पहचान सुनील उपाध्याय पुत्र सत्यनारायण उपाध्याय निवासी मेघासर के रूप में हुई है। यह युवक पिछले 4 से 5 वर्षों से शोभासर चौराहे पर ब्राह्मण होटल नामक ढाबा चला रहा था, जो नशे के तस्करी का अड्डा बन चुका था। सेना की इंटेलिजेंस टीम को 2 अगस्त की रात यह इनपुट मिला कि शोभासर क्षेत्र में कुछ संदिग्ध व्यक्ति अफीम की बड़ी खेप लेकर पहुंचने वाले हैं। यह सूचना तत्काल डीएसटी के एएसआई रामकरण सिंह और बीछवाल थाना प्रभारी एसआई कमलजीत कौर के साथ साझा की गई। दोनों टीमों ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और सुनील को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 452 ग्राम अफीम बरामद की गई जो वाणिज्यिक मात्रा में आती है और इसकी बाजार कीमत लाखों में आंकी जा रही है।

मासूम का शव नाडी में मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के उपनगर पुर में रविवार को अचानक उस वक्त मातम पसर गया, जब पता चला कि चार साल के मासूम शिफान पिता मोहम्मद मोहसिन की नाडी में लाश मिली है। हर कोई शोक संतप्त हो गया। जानकारी के अनुसार शिफान घर से शनिवार शाम चार बजे लापता हुआ था। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी कोशिश की, लेकिन पता नहीं चला, फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कई जगह की तलाश की लेकिन सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह अचानक तैरता हुआ शव नाडी में नजर आया। स्थानीय लोगों का

आरोप है कि बस्ती में ही पार्षद और प्रशासन की लापरवाही से क्षेत्र में बरसाती गड्ढों में पानी भरा हुआ है जिसके चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं। इसे ही एक बरसाती गड्ढे में डूबने से शिफ़ान की मौत हुई है।

'आर्थिक तंगी और बढ़ते कर्ज से किसान तबाह ओर बर्बाद हो रहा है'

कोटा, (निसं)। भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा की कोटा संभागीय कार्यकारिणी की आवश्यक बैठक सोगरिया में संगठन कार्यालय पर सम्पन हुई। जिसमे किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक मे आंदोलन की रुपरेखा तैयार की गई।

बैठक को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे ने कहा कि आर्थिक तंगी और बढ़ते कर्ज से किसान तबाह ओर बर्बाद हो रहा है। केंद्र सरकार किसानों की सम्पूर्ण कर्जमाफी की घोषणा कर किसानों को राहत दे। राजस्थान के किसानों पर 187322.27 करोड़ रुपए कृषि कर्ज के रूप में बकाया हैं। किसानों पर लगातार कर्ज बढ़ना सरकार के उन तमाम दावों को झूठा साबित करता है जिसमें सरकार द्वारा किसानों के उत्थान व कल्याण की बात कही जा रही है, देश के अलग-अलग राज्यों में बकाया कृषि कर्ज का विवरण देखने पर भयावह हालात सामने आए है। सरकार कह रही है कि हम केसीसी देकर किसानों को राहत देने का प्रयास कर रहे हैं। क्या केवल ऋण देना किसानों को राहत देना है? सरकार राष्ट्र के किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए एक बार राजस्थान सहित देश के किसानों का सम्पूर्ण कृषि कर्ज माफ़ करने की योजना बनाएं।

- 'अतिवृष्टि एवं जलभराव से खरीफ फसलों को हुए भारी नुकसान का तुरंत सर्वे कर मुआवजा दे सरकार'

मनोज दुबे ने कहा की प्रदेश मे लगातार हो रही भारी बरसात से खरीफ फसलों को हुए भारी नुकसान का तुरंत सर्वे करवा कर सरकार पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दें। अतिवृष्टि व जलभराव से किसानों की फसलें पूर्ण रूप से चौपट हो गई है। किसानों की फसले खत्म होने के कगार पर है, किसान बर्बाद हो चुका है। राजस्थान सरकार प्रदेश को आपदाग्रस्त घोषित कर किसानो को आर्थिक सहायता देकर राहत दें।

भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा की बैठक मनोज दुबे की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

मनोज दुबे ने कहा की अतिवृष्टि ने पूरे प्रदेश के किसानों को बर्बादी के कगार पर ला कर खड़ा कर दिया है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में किसानों की मेहनत पानी में बह गई है। खेत अब नदी ओर तालाब बन चुके हैं। किसान अपने खेतों को देख कर रो रहे हैं। आज जब किसान अपना सब कुछ खोने की कगार पर है, तब सरकार मौन है? सरकार ने अब तक भी नुकसान का सर्वे एवं मुआवज़े का ऐलान नहीं किया जों घोर निंदनीय एवं दुर्भाग्य पूर्ण है।

मनोज दुबे ने कहा की किसानों को समय पर डीएपी एवं यूरिया खाद नहीं मिलने से खरीफ फसलों की बुआई मे देरी के बाद भारी बरसात किसानों के लिए आफत बन गई है। ड्रेनेज सिस्टम सही नहीं होने से खेतों मे भारी जल भराव के कारण सोयाबीन, उड़द, तिल्ली आदी फसलों को भारी नुकसान हुआ है। अधिकांश सब्जियां भी बर्बाद हो गई है। राजस्थान में हुई भारी बारिश से खरीफ की फसल खराब होने से किसानों परेशानी मे है। महंगी खाद, बीज हंकाई-जुताई कीटनाशक सब बर्बाद हो गया है। जिसने धरतीपुत्रों के अरमानों पर पानी फेर दिया है।

अतिवृष्टि से हुए जल भराव से किसानों की सोयाबीन, मक्का, उड़द, तिल्ली आदि फसल बर्बाद हो गई है। सरकार अति शीघ्र गिरदावरी करवाकर किसानों को उचित मुआवजा दें। मनोज दुबे ने कहा की सरकार किसानों को डीएपी ओर यूरिया खाद तक पर्याप्त मात्रा मे उपलब्ध कराने मे पूर्ण रूप से विफल रही है। नकली खाद, बीज ओर पेस्टिसाइड से किसानों की खेती बंजर हो रही है। लेकिन सरकार नकली खाद, बीज ओर कीटनाशक माफियाओ पर अंकुश लगाने मे भी नाकाम रही है। किसानों पर चौतरफा अत्याचार हो रहा है, ओर भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार सरकार तमाशा देख रही है। जिससे किसानों मे भारी आक्रोश व्याप्त हैं। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष राकेश कुमावत, त्रिलोक मीणा, सत्तार मंसूरी, इरशाद खान, चन्द्र प्रकाश नागर (हरी पूरा) मुकेश मीणा, अब्दुल मोईन खान, लेखराम चौबदार, सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक मे कोटा देहात अध्यक्ष हरभजन सिंह के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या मे कार्यकार्य मौजूद थे।

'सामाजिक संस्थाएं समाज के दुख, दर्द, पीड़ा में सहयोगी बनें'

कोटा, (निसं)। श्री कल्याणराय किराड़ क्षत्रिय विकास समिति की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह रविवार को श्रीनाथपुरम स्थित किराड़ छात्रावास पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर थे। अध्यक्षता कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने की। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, क्षत्रिय किराड़ महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री रामकुमार मेहता, रेल सलाहकार बोर्ड के सदस्य आशीष मेहता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम मेहता, महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रामविलास मेहता, पूर्व सरपंच शिवराम मेहता मौजूद रहे। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोविंद मेहता, युवा अध्यक्ष मनीष मेहता, महिला अध्यक्ष सुनीता मेहता की नवनियुक्त कार्यकारिणी ने शपथग्रहण की। संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि सभी समाज संगठित होकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं। राष्ट्र निर्माण के लिए हमें सर्वसमाज को साथ लेकर सबके विकास और हित की बात करनी होगी। हम सभी मिलकर राष्ट्र की उन्नति में योगदान दें। यह समय की आवश्यकता भी है। सभी सामाजिक संस्थाएं समाज के दुख, दर्द, पीड़ा में सहयोगी बनें।

विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि किराड़ समाज राष्ट्रवादी समाज है। जो सनातन की रक्षा की भूमिका में रहा है। किराड़ समाज खेती किसानी के साथ-साथ शिक्षा और व्यापार में भी आगे बढ़ रहा हैं। आशीष मेहता ने कहा कि किराड़ समाज अन्न उपजाकर देश की सेवा कर रहा है। गाँव ढाणी में रहने वाले नौजवान को अच्छी शिक्षा के द्वारा आगे बढ़ाया जा सकता है। सभी मिलकर समाज की एकता, उन्नति और विकास के लिए कार्य करें।

जिले भर में दबिश देकर 205 आरोपी पकड़े

रावतभाटा, (निसं)। महानिरीक्षक पुलिस रेंज उदयपुर गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर जिला पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़, गिरफ्तारी व एरिया डोमिनेंश के लिए रविवार को विशेष अभियान चलाकर जिले के समस्त पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों की 69 विशेष टीमों द्वारा विभिन्न संदिग्ध स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई करते हुए कुल 205 अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

कार्यवाही के दौरान दो प्रकरण एनडीपीएस एक्ट, 06 प्रकरण आबकारी अधिनियम, एक प्रकरण आर्म्स एक्ट व एक प्रकरण आरएनसी एक्ट में दर्ज किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर वांछित अपराधियों की धरपकड़, गिरफ्तारी एवं एरिया डोमिनेंस के लिए एक विशेष अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह के सुपरविजन में रविवार को संपूर्ण जिले में चलाया गया। वृत्तवार एवं थानावार अपराधियों की सूचीयां तैयार कर उनकी धरपकड़ के लिये अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। समस्त पुलिस उप अधीक्षकों से वांछित अपराधियों की सूची एवं दबिश टीम तथा दबिश स्थान चिन्हित कर उन्हे अंतिम रूप दिया गया एवं समन्वय स्थापित करते हुए धरपकड़ कार्यवाही की गई।

जिले के शहर चित्तौड़गढ़, ग्रामीण चित्तौड़गढ़, गंगरार, कपासन, बेगू, रावतभाटा, बड़ीसादड़ी, निम्बाहेड़ा व भदेसर वृत्त के समस्त वृत्ताधिकारी एवं थानाधिकारियों के नेतृत्व में कुल 69 विशेष टीमें गठित की गई। जिसमें समस्त थाना, पुलिस लाईन के जाब्ता सहित पुलिस कर्मियों को एकत्रित किया गया। रविवार तड़के कुल 323 पुलिसकर्मियों द्वारा जिले के 402 संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी गई, जहां से विभिन्न मामलों में वांछित चल रहे स्थाई वारंटी, गिरफ्तारी वारंटी, उद्घोषित अपराधी, धारा 299 सीआरपीसी में वांछित, विभिन्न प्रकरणों में वांछित एवं अन्य अधिनियमों सहित कुल 205 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें विभिन्न प्रकरणों के अपराध में वांछित 17 अपराधी, 100 स्थाई वारंटी, मफरूरी में वांछित, गिरफ्तारी वारंटी, सामान्य प्रकरणों में वांछित 25 अपराधी सहित कुल 205 अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। जिसमें सबसे अधिक ग्रामीण चित्तौड़गढ़ व भदेसर वृत्त में 41-41 अपराधियों को दबोचा गया। उक्त कार्यवाही के दौरान दो प्रकरण एनडीपीएस एक्ट, 06 प्रकरण आबकारी अधिनियम, एक प्रकरण आर्म्स एक्ट व एक प्रकरण आरएनसी एक्ट में दर्ज किया गया।

कोटा की बालिकाओं ने योगासन स्पर्धा में दमखम दिखाया, राज्य स्तर के लिए होंगी तैयार

कोटा, (निसं)। छठी कोटा योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 2025 में राजकीय बालिका गृह की छह बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में शीर्ष स्थान प्राप्त किए।

सब-जूनियर ग्रुप में दो बालिकाओं ने भाग लिया, जिनमें से एक बालिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, वहीं जूनियर ग्रुप में चार बालिकाओं ने भाग लेकर क्रमशः प्रथम, तृतीय, चतुर्थ और पंचम स्थान पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संचेतन संस्था की भारती गौड़ द्वारा राजकीय बालिका गृह एवं नारी निकेतन की बालिकाओं को योग प्रतियोगिता में भाग दिलवाया गया और उन्हें प्रतियोगिता की विशेष तैयारी भी करवाई गई। राजकीय बालिका गृह की अधीक्षक अंशुल मेहंदीरत्ता ने जानकारी दी कि पिछले कई वर्षों से यहां की बालिकाएं योगासन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और विभिन्न स्तरों पर स्थान प्राप्त कर रही हैं।

बालिकाओं की इस उपलब्धि पर बाल कल्याण समिति, सहायक निदेशक रामराज मीणा एवं संरक्षण अधिकारी दिनेश शर्मा ने बालिकाओं को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारी में जुटने हेतु प्रोत्साहित किया।

बहनों ने बांधी ऊर्जा मंत्री नागर की कलाई पर स्नेह की डोर

कोटा, (निसं)। सुबह से बीरबसी का व्रत कर अपने भाईयों की उन्नति, प्रगति और समृद्धि की कामना कर रही महिलाओं को लाड़ले भाई ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का साथ मिला। लाड़ली बहना रक्षासूत्र समारोह के दौरान ऊर्जा मंत्री को भाई के रुप में अपने बीच पाकर प्रफुल्लित थी।

देवली और कनवास भाजपा मण्डल का लाड़ली बहना रक्षासूत्र समारोह रविवार को दरा रोड़ कनवास स्थित खेल ग्राउंड में आयोजित किया गया। जहां बहनों ने अपने साथ लाए रक्षा सूत्र और श्रीफल के साथ राखी बांधी। बहनें ऊर्जा मंत्री के मस्तक पर रोली और अक्षत का टीका लगाकर बलाइयां लेती रही। वेद विद्यालय के छात्रों ने वैदिक मंत्रोच्चारण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि ईश्वर की कृपा से ऐसा संयोग बना है कि आज बीरबसी के दिन अपनी बहनों के बीच में आना हुआ है। बहनों के बीच रहने पर हमेशा सुख और असीम संतोष की अनुभूति होती है। जब गांव में जाते हैं तो बहनें अपनी समस्याओं से अवगत करवाती हैं। इसलिए हर घर को नल का जल, हर खेत को पानी और रास्तों का सुदृढीकरण करने का संकल्प किया है। हमारे संकल्प की सिद्धि में बहनें विश्वास की शक्ति बन रही हैं। उन्होंने कहा कि बहनों को आर्थिक रूप से सक्षम और स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। राजीविका मिशन के समूह का सुदृढ़ीकरण कर लोन दिलाने का काम कर रहे हैं। वहीं उद्योग और उत्पादों को मार्केट दिलाने के लिए भी कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले जब दूधियाखेड़ी माताजी पर कार्यक्रम किया था तो कांग्रेस के लोगों ने उसे वोट से जोड़ा था, लेकिन मैं आपको यह विश्वासपूर्वक कहता हूं कि आपसे विश्वास और प्रेम की यह डोर सदा बंधी रहेगी। इस डोर को कभी टूटने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि हमाररी आने वाली पीढ़ियां स्वस्थ और सशक्त बनें, इसके लिए सुपोषित मां अभियान की शुरुआत की है। गर्भवती बहनें स्वस्थ रहें। उनका बच्चा स्वस्थ हो, यह हमारा संकल्प है। पोषण किट के साथ स्वास्थ्य जांच और दवा देने का काम भी करेंगे।

- बीरबसी के व्रत पर बहनों को मिला भाई का साथ
- कनवास में लाड़ली बहना रक्षासूत्र समारोह सम्पन्न

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाए।

इस अवसर पर जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, प्रधान जयवीर सिंह अमृतकुआं, उप प्रधान ओम नागर अडूसा, अंजना मीना, धनराज मीणा, आशा त्रिवेदी, मंडल अध्यक्ष सत्यवान नागर, विजयशंकर सैनी, पूजा कुमारी, गुड्डी बाई, दुष्यंत शर्मा, नरेंद्र मोहन गौतम, हेमलता, महावीर, दुर्गाशंकर गुर्जर, नंदकिशोर मालव, शिवराज मालव, ईश्वर मालव, कौशल सोनी, धनराज नागर समेत कई लोग मौजूद रहे।

Government of India

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST & CLIMATE CHANGE

Regional Office, Gandhinagar, A Wing-407 & 409, "Aranya Bhawan", Near Ch-3 Circle, Sector-10a, Gandhi Nagar-382010
Email: Iro.gandhingr-mefcc@gov.in

Online Proposal No. - FP/RJ/ROAD/488019/2024 **Dated : 01/07/2025**

To,

Principal Secretary (Forest and Environment),
Department of Forest and Wildlife
Goverment of Rajasthan
Vaniki Path, Near Secretariat
Jaipur-302005 (Rajasthan)

Subject : **Proposal for non-forestry use of 1.71 ha of forest land under Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 in favour of M/s PUBLIC WORKS DEPARTMENT for Baran Territorial Division in Forest Division, District BARAN (RAJASTHAN)**

Name of Road - Garda Gopalpura To Rajakhera

Sir/Madam,

This is in reference to the online proposal no. FP/RJ/ROAD/488019/2024 dated 15/07/2024 on the above- mentioned subject seeking prior approval of the Central Government in accordance with section'2 of the Van (Samrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 and to say that the proposal has been examined by Regional Office, as per extant rules and regulations. After the examination, the undersigned directed to convey the **"In-Principle/Stage-I"** approval of the Central Government under section 2 of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 for the proposal for non-forestry use of 1.71 ha of forest land under Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 in favour of M/s PUBLIC WORKS DEPARTMENT for Baran Territorial Division in Forest Division, District BARAN (RAJASTHAN) subject to the fulfillment of the following condition :

1. General Conditions

S.No.	Conditions
1.1	Compensatory afforestation over the degraded forest land double in extent to the forest land being diverted shall be raised and maintained by the State Forest Department at the cost of the User Agency; Or Compensatory afforestation over the non-forest land equal in extent to the forest land being diverted shall be raised and maintained by the State Forest Department at the cost of the User Agency
1.2	Legal Status of the diverted foret land shall remain unchanged
1.3	The non-forest land identified for raising compensatory afforestation shall be transferred and mutated in favour of the State Forest Department before issue of the Stage-II clearance
1.4	The non-forest land transferred and mutated in favour of the State Forest Department shall be notified by the State Government as RF under section-4 or PF under Section-29 of the Indian Forest Act, 1927 or under the relevent section(s) of the local Forest Act, 1927 latest
	within a period of six months from the date of issue of Stage-II approval. The Nodal Officer shall report compliance in this regard along with a copy of the original notification declaring the non-forest land under section 4 or Section 29 of the Indian Forest Act, 1927, as the case may be, within the stipulated period to the Central Government for information and record
1.5	The land identified for the purpose of CA shall be clearly depicted on a Survey of Indian toposheet of 1:50,000 scale
1.6	The User Agency shall transfer the cost of raising and maintaining the compensatory afforestation, at he current wage rate, to the State Forest Department. The scheme may include appropriate provision for anticipated cost increase for works scheduled for subsequent years.
1.7	The State Government shall charge the Net Present Value (NPV) of the forest land being diverted under this proposal from the User Agency as per the orders of the Hon'ble Supreme Court of India dated 28.03.2008, 24.04.2008 and 09.05.2008 in Writ Petition (Civil) No. 202/1995 and the guidelines issued by this ministry vide its letter No. 5-3/2007-FC dated 05.02.2009 in this regard
1.8	At the time of payment of the Net Present Value (NPV) at the then prevailing rate, the User Agency shall furnish as undertaking to pay the additional amount of NPV, if so determined, as per the final decision of the Hon'ble Supreme Court of India.
1.9	All the funds received from the user agency under the project, except the funds realized for regeneration/ demarcation of safety zone, shall be trasferred to Ad-hoc CAMPA in the Savings Bank Account pertaining to the State concerned.
1.10	The User Agency shall obtain the Environment Clearance as per the provisions of the Environmental (Protection) Act, 1986, if required.
1.11	The boundary of the diverted forest land, shall be demarcated on ground at the project cost, by erecting four feet high reinforced cement concrete pillars, each inscribed with its serial number, forward and back bearing and distance from pillar to pillar
1.12	The User Agency, if required, will undertake comprehensive soil conservation measures in the area being diverted at the project cost in consultation with the State Forest Department. A scheme of the same may be submitted along with the compliance report
1.13	No labour camp shall be established on the forest land (Cont.)

1.14	The User Agency shall provide fuels preferably alternate fuels to the labourers and the staff working at the site so as to avoid any damage and pressure on the nearby forest areas
1.15	The forest land shall not be used for any purpose other than that specified in the proposal
1.16	The layout plan of the proposal shall not be changed without the prior approval of the Central Government
1.17	The forest land proposed to be diverted shall under no circumstances be transferred to any other agency, department or person without prior approval of the Central Government
1.18	No damage to the flora and fauna of the adjoining area shall be caused
1.19	Any tree felling shall be done only when it is unavoidable and that too under strict supervision of the State Forest Department
1.20	The State Government shall complete settlement of rights, in terms of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006, if any, on the forest land to be diverted in accordance with the relevant guidelines issued by the MoEF
1.21	The user agency in consultation with the State Government shall create and maintain alternate habitat/home for the avifauna, whose nesting trees are to be cleared in this project. Bird's nests artificially made out of eco-friendly material shall be used in the area, including forest area and human settlements, adjoining the forest area being diverted for the project
1.22	The User Agency shall submit six monthly self-compliance reports as on 1st January and 1st July of every year to this office as well as to the Nodal Officer of the State
1.23	The State Government shall monitor compliance of conditions of Forest Clearance and shall submit in this regard yearly report as on 31st December of every year
1.24	Any other condition that the concerned Regional Office of this Ministry may stipulate, from time to time, in the interest of conservation, protection and development of forest & wildlife
1.25	The User Agency and the State Government shall ensure compliance to provisions of the all Acts, Rules, Regulations and Guidelines, for the time being in force, as applicable to the Project
1.26	Grant of working permission to the extant proposal may be considered by the State Government in accordance with the provisions as contained in the MoEF&CC's Guidelines dates 28.08.2015
1.27	Compensatory afforestation shall be taken up by the Forest Department over 1.71 ha **NFL**, Survey/Khasra No.-369, Village-Takha, Tehsil-anta, District-Baran of Rajasthan at the cost of the user agency. As far as possible, a mixture of local indigenous species shall be planted and mono-culture of any species may be avoided.
1.28	Nil tree felling shall be involved in the implementation of this project.
1.29	If the proposed area is part/out side of any Wildlife Sanctuary/National Park, User Agency shall be obtained Wildlife Clearance from competent authority as per the provisions of the extant, rules and regulation.

2. Standard Conditions

S.No.	Conditions
2.1	The User Agency shall arrange to raise strip platation on either side of the road and central verge at project cost, as per IRC specification, with maintenance of 7-10 Years. The user agency shall also submit design of providing at least 2-3 rows of long rotation indigenous trees, as per provision of IRC-SP-21-2009 (Guidelines on landscaping & tree plantation), on either side of the road before final clearance.
2.2	The reclamation of quarry should be done under the supervision of the State Forest Department. The quarry shall be reclaimed and afforested completely before the project is closed.
2.3	Overburden shall not be dumped outside the width of the road. The muck generated in the earth cuttings will be disposed of at the designated dumping sites and in no case the muck/debris will be allowed to roll down the hill slopes.
2.4	The user agency will provide retaining walls, breast walls and drainage as per requirement to make the slope stable.
2.5	The User Agency will undertake comprehensive soil conservation measures at the project cost in consultation with the State Forest Department. A scheme of the same shall be submitted to the Regional Office along with the Stage-I compliance report;
2.6	The designing of culverts/bridges, if any, over the natural streams/rivers/canals should be done in such a manner that it does not hamper the natural course of water, does not give rise to water-logging, and also does not hamper movement of wild animals.

3. Specific Conditions

S.No.	Conditions
3.1	The User Agency shall Construct 6 feet high wall along the boundaries of the non-forest land proposed for CA.
3.2	User Agency shall provide at its cost required number of Solar Pumps as given by the forest Department for irrigating the CA plantaion.

After receipt of compliance report on fulfillment of all of the above conditions from the State Government, proposal will be considered for final approval under section '2' of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980. The User Agency shall take up the work as per the guidelines in force and after ensuring that all necessary clearances for the entire stretch are in place. Working permission, if any issued, shall be intimated to RO, Gandhinagar. Transfer of forest land shall not be affected till final approval is granted by the Central Government in this regard.

Further, it may also be noted that this **In-principle/stage-I** approval shall be valid for a period of 2 years from the date of issue of this letter. In the event of non-compliance of the above conditions, this In-principle approval shall be revoked after two (02) years

Your's faithfully

(Shrawan Kumar Verma)
Regional Officer/Head of Department
Regional Office, Gandhinagar
MoEF&CC, Govt. of India

DIPR/C/10606/2025

हरियाली,बारिश और उमंग के प्रतीक लहरिया थीम पर लिटिल स्टार आईकन बने बच्चे

कोटा, (निसं)। कैट वीमेन विंग जिला कोटा द्वारा आयोजित नन्हे बालक-बालिकाओं के लिये तलवंडी स्थित जाट समाज में लिटिल स्टार आईकॉन प्रतियोगिता में सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया। कैट वीमेन विंग की अध्यक्ष नीलम विजय ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विजेता व उपविजेता बालक-बालिकाओं को प्रोत्साहित करते हुये पुरस्कृत किया।

लिटिल स्टार आईकॉन प्रतियोगिता में सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया।

■ लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लहरिया को बताया राजस्थान की वैश्विक पहचान, विजेताओं को पुरस्कृत किया

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अपने संबोधन में कहा कि कैट वीमेन विंग जिला कोटा टीम के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति को नए रंग में पेश किया है जिसमे छोटे बच्चे रंग-बिरंगी लहरियों में सजे-धजे राजस्थानी लोकगीतों पर केटवॉक करते हुये अद्भूत लग रहे है। घूमर नृत्य की लय और लोकधुनों की गूंज ने महोत्सव को राजस्थान की खूबसूरती व संस्कृति से भर दिया है। लोकसभा स्पीकर बिरला ने कोटा साड़ी व लहरिया की देशव्यापी व वैश्विक स्तर पर अनूठी पहचान को बताया। बिरला के साथ नन्हे बच्चो ने सेल्फी व फोटो लेने का उत्साह रहा। कैट वीमेन टीम ने ओम बिरला को लहरिया के रंग में रंगे साफे को पहनाकर व दुपट्टा पहना कर अभिनंदन किया। सचिव भाविका प्रीत रामानी ने अतिथियों का स्वागत करते हुये बताया कि लहरिया लिटिल स्टार आईकन प्रतियोगिता का शुभारंभ कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर बी.पी.सारस्वत ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कुलगुरु प्रोफेसर बी.पी.सारस्वत ने कहा कि आज महिलायें व बच्चें किट्टी पार्टी व क्लब की ओर आकर्षित हो रहे है वहीं आज राजस्थान की संस्कृति से जुड़े आयोजन में नई पीढी को जुडा देखने का अवसर मिला।

जयपुर से सीधे कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा ने बताया कि कोटा में पहली बार आयोजित यह कार्यक्रम का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राजस्थानी संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और महिला सशक्तिकरण को मंच प्रदान करना भी है। लुप्त होती परंपराओं को जीवंत रखने और समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखने के लिए इस तरह के आयोजनों की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में कैट के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मनोज गोयल संभागीय महिला अध्यक्ष सुमन गोयल, प्रदेश सचिव अशोक माहेश्वरी, कोटा ज़िलाध्यक्ष अनिल मूंदड़ा, डॉ.सपना अग्रवाल कांग्रेस महिला प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका नंदवाना, समाजसेवी तृप्ति नागर, पार्षद योगेश आहलूवालिया, डॉ.रसीला भूरिया व खुशी शर्मा तथा टीम नक्षत्र के सदस्य रिचा विजय कीर्ति खंडेलवाल प्रीति जैन स्मिता पाटनी ने शिरकत कर प्रोत्साहित किया।

विजेताओं को विजेता व उपविजेता निर्णायक मंडल सुनिता जैन व दिव्या जैन रही। कार्यक्रम की उद्घोषिका अंकिता खंडेलवाल व शुभि गुप्ता ने राजस्थानी अंदाज मे की। अध्यक्ष नीलम विजय, सचिव भविका प्रीत रमानी कार्यकारी अध्यक्ष रिचा गुप्ता उपाध्यक्ष रक्षा नरूका,कोषाध्यक्ष डॉ. रूचि जौहरी मीडिया को ऑरडिनेटर कीर्ति मित्तल जैन, प्रोजेक्ट डायरेक्टर्स-चित्रांगी अग्रवाल, मधु विजय, आकांक्षा गुप्ता, नंदिनी श्रृंगी, अंकिता विजय, शुभी गुप्ता, नेहा प्रकाश, रीना विजय व सिया आडवाणी ने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग किया।

'प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था का संगम है नागेश्वर मंदिर'

नागेश्वर मंदिर कस्बे की पहाड़ी पर स्थित है।

छबड़ा (निसं)। यहां की पहाड़ी पर स्थित नागेश्वर मंदिर एक ऐसा धार्मिक स्थल है, जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

हरियाली की अनूपम छटा से घिरी इस स्थल की खूबसूरती न केवल आँखों को सुकून देती है, बल्कि मन को भी शांति और आनंद से भर देती है। यह धार्मिक स्थल आध्यात्मिक और प्राकृतिक पर्यटन के लिए विषेश पहचान रखता है। यहाँ आने वाले श्रद्धालु नागेष्वर बाबा का आशीर्वाद लेने के साथ ही इस स्थान की प्राकृतिक सुंदरता का भरपूर आनंद उठाते हैं। वर्षभर यहाँ श्रद्धालुओ की आवाजाही बनी रहती है, किंतु सावन में यह धार्मिक स्थल विशेष रूप से भक्तिमय वातावरण से भर जाता है, जब हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

मंदिर समिति से जुडे लोग बताते हैं कि 22 अगस्त 1985 में नींव खुदाई के दौरान नागेष्वर बाबा की प्रतिमा का प्राकट्य हुआ था। पुरातत्व विभाग के कर्मचारी द्वारा प्रतिमा का परीक्षण कर यह प्रतिमा 2500 वर्श पुरानी बताई गई हैं। प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा 7 मार्च 1991 को हुई थीं। इसके बाद से ही यहां नागेष्वर बाबा भक्तो के दु:ख, संकटो का निवारण कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं को 148 सीढियां चढना पडता हैं। उसके उपरांत ही नागेश्बर बाबा के दर्षन होते हैं। प्राचीन शिवलिंग होने के कारण राजस्थान सहित मध्यप्रदेश के लोग भी यहां बडी संख्या में दर्शन करने आते हैं। इसी के साथ ही मां दुर्गा व हनुमानजी भक्तो के संकट हरते हैं।

नगरपालिका की ओर से प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि पर्व पर यहां पांच दिवसीय मेला आयोजित किया जाता है। जिसमें रंगमंच पर प्रतिदिन कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाती हैं। मेले में कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी बडी संख्या में आते हैं। नागेश्वर सेवा समिति की ओर से महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर संगीतमय रात्रि जागरण कर दूसरे दिन नागेष्वर बाबा का मनमोहक श्रृंगार किया जाता है।

कोटा में ऐंथे 2025 का शुभारंभ

कोटा, (निसं)। आकाश कोचिंग की प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति परीक्षा आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम का शुभारंभ कोटा में रीजनल डायरेक्टर अखिलेश दीक्षित द्वारा किया गया। इस वर्ष भी कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित की जा रही है, जिसमें 250 रुपए करोड़ तक की स्कॉलरशिप और 2.5 रुपए के करोड़ के कैश अवॉर्ड्स दिए जाएंगे। ऐंथे विगत 16 वर्षों से देशभर के लाखों छात्रों को मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आर्थिक सहायता और मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। ऐंथे 2025 परीक्षा 4 से 12 अक्टूबर के बीच ऑनलाईन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित की जाएगी। इच्छुक छात्र आकाश की वेबसाईट पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

इनरव्हील क्लब का पदभार संम्पन्न

छबड़ा (निसं)। इनरव्हील क्लब की नई कार्यकारिणी द्वारा पद ग्रहण किया गया। यहां अंजुबाला सोनी को सर्व सम्मति से पुन: अध्यक्ष पद के लिए चुना गया, जिन्हे कॉलरपिन चार्टर प्रेसिडेंट डॉली जैन ने पहनाई।उपाध्यक्ष रानी सिंघल को आशा अग्रवाल द्वारा पिन पहनाई। सचिव पद पर एकता शर्मा को पूर्व अध्यक्ष नंदिनी पिन लगाई। कोषाध्यक्ष रेनू जैन को आशा अग्रवाल द्वारा पिन लगाई। आईएसओ पद पर पल्लवी जैन को अनीता शर्मा द्वारा पिन लगाई गई।

कार चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार 12 कारें व एक कार का इंजन जब्त

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने कार चोरी की दर्ज रिपोर्ट पर बड़ी कार्यवाही करते हुए कार चोर गिरोह का पर्दाफाश किया और मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे चोरी की गई 12 कारों सहित एक कार का इंजन बरामद किया है। पकड़े गये बदमाशों ने अलग-अलग क्षेत्रों से ईको कारों का अपना निशाना बनाया। पकड़े गये गिरोह के सदस्य पिछले लम्बे समय से कारें चोरी करते हुए आ रहे थे। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 30 जुलाई को परिवादी

कोटा में कार चोर गिरोह के तीन आरोपियों को रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने चोरी की गई कारों सहित गिरफ्तार किया।

■ कारों को मॉडिफाई करके बेचते थे

मोहम्मद आशिक ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि 27 जुलाई को एक सिल्वरी रंग की उसकी ईको कार जिसको घर के सामने लॉक लगाकर खड़ी की थी अगले दिन 28 जुलाई की सुबह जब घर के बाहर निकला और कार मौके पर नही खडी थी जिसको कोई अज्ञात चोरी करके ले गया। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया।

शहर एसपी ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने मामले में कड़ी मेहनत व लगन से काम किया। टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटैज खंगाले, टीम ने तकनीकी सहायता व मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने कार चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सूर्य नगर निवासी सैययद औसाफ अली उर्फ शानू (34) को रेलवे कॉलोनी इलाके से गिरफ्तार किया जिससे पूछताछ पर वक्फ नगर दादाबाड़ी निवासी आदिल (29) और छत्रपुरा तालाब विज्ञान नगर निवासी मौहम्मद हुसैन उर्फ बब्लू (34) को गिरफ्तार किया गया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये बदमाशों ने पूछताछ के दौरान थाना रेलवे कॉलोनी के साथ-साथ दादाबाड़ी, विज्ञान नगर बोरखेड़ा, कैथूनीपोल और कोटा ग्रामीण के सुल्तानपुर से चोरी करने की वारदात को कबूला है। बदमाश कार चोरी करके उनको मॉडिफाई करके तीन से पांच लाख तक कार को बेच देते थे। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये बदमाशों से पूछताछ के आधार पर चोरी की गई सात वाहनो एवं एक ईको कार के इंजन की बरामदगी की है, एसपी ने बताया कि आरोपी इतने शातिर थे कि आरोपियों ने चोरी की गई पांच कारो के इंजन नम्बर, चैचिस नम्बर, और बॉडी मोर्डिफाई कर दी। उन पांच सदिग्ध कारों को भी डिटेन किया गया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

तरीका वारदात:-शहर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सैययद औसाफ अली उर्फ शानु सूर्य नगर का निवासी है। शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि सैययद औसाफ अली जो सुलतानपुर में अपनी मौसी के पास रहने के दौरान उस पर कर्जा हो गया और उसके बाद वह कोटा मे रहने लगा और कर्जा अधिक होने और कोई काम नही मिलने पर आरोपी ने 2023 में विज्ञान नगर इलाके से एक कार चुराई और विज्ञान नगर निवासी मोहम्मद हुसैन उर्फ बल्लु को बेच दी, पकड़ा गये आरोपी बल्लू का विज्ञान नगर में ही कार वाशिग व कार रिपेयरिंग का काम है।

ममाले में सामने आया कि आरोपी सैययद औसाफ अली उर्फ शानु, मोहम्मद हुसैन उर्फ बल्लु और आदिल ने तीनों ने मिलकर जल्दी अमीर बनने व शौक को पूरा करने के लिये कारें चोरी की योजनाएं बनाई और ईको कार की डिमांड ज्यादा होने से रात्रि के समय सुनसान स्थानों पर खड़ी ईको कारों को निशाना बनाते थे, और देशी तकनीकी से शानू कारों के लॉक तोड़कर कारों को चुराता था और आदिल, बल्लू को संभला देता था। तीनों आरोपी चोरी हुई कारो के इंजन नम्बर, चैचिस नम्बर बदलकर पुराने कबाड़े की कारों व दुर्घटनाग्रस्त कारों के इंजन नम्बर व चैचिस नम्बर चुराई कारो में लगा देते थे।

भव्य कावड़ यात्रा आज

छबड़ा (निसं)। श्रावण मास के चौथे सोमवार को भव्य कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। शिवभक्तो द्वारा पार्वती नदी के पवित्र जल से नागेश्वर बाबा का जलाभिषेक किया जाएगा। कावड यात्रा का जगह-जगह स्वागत द्वार, पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया जाएगा। नागेश्वर मंदिर सेवा समिति अध्यक्ष गणेश भार्गव के अनुसार आज कस्बे में कावड यात्रा निकाली जाएगी। शिवभक्त कस्बे से सात किलोमीटर दूर गूगोर गांव के समीप प्रवाहित हो रही पार्वती नदी के तट पर पहुंचेगे और वहां पूजा-अर्चना व महाआरती के बाद शिव भक्त पार्वती नदी में सें अपने-अपने पात्रों मे जल को भरकर वहां से पैदल-पैदल भव्य शोभायात्रा के साथ शुरू होंगे।

चेक बाउंस के मामले में कांग्रेस के पूर्व पार्षद को जेल भेजा

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने चेक बाउंस के पुराने मामले में फरार चल रहे कांग्रेस के पूर्व पार्षद आनंद पाटनी को रविवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से पूर्व पार्षद को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि पूर्व पार्षद आनंद पाटनी के खिलाफ साल 2015 में एक चेक बाउंस का मामला था। आरोपी के खिलाफ न्यायालय से स्टैडिंग वारंट प्राप्त हुआ था। पूर्व पार्षद आनंद पाटनी मामले में लम्बे समय से फरार चल रहा था, फरारी काट रहे आरोपी आनंद पाटनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया।

2008 में सीएसके के साथ अपना सफर शुरू किया और उन्हें पांच आईपीएल खिताब दिलाए। फ्रेंचाइजी और शहर के साथ मेरे सफर ने व्यक्तिगत विकास में अहम भूमिका निभाई है।
- महेन्द्र सिंह धोनी

पूर्व सीएसके कप्तान, आईपीएल 2026 में खेलने की इच्छा जाहिर करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **यशस्वी जायसवाल**

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 118 रनों की पारी खेलकर भारत को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि वह अपनी पारी को और बड़ा करना चाहते थे लेकिन अंत में वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। मैं और बेहतर करना चाहता था, मैं इससे बड़ी पारी खेलना चाहता था। अगर ऐसा होता तो मैं कुछ और भी हासिल कर सकता था। लेकिन ठीक है, मैंने इसके लिए काफी मेहनत की थी और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। जब मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो मेरी कोशिश यही रहती है कि जितना संभव हो सके उतनी देर बल्लेबाजी कर सकूं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड बीच जारी टेस्ट सीरीज में अभी तक कुल 18 बार शतकीय साझेदारी हो चुकी है। जो 21वीं सदी में सबसे ज्यादा है।

'घर का पूत कुंवारा डोले, पाड़ोसी का फेरा'

एसएमएस हॉकी ग्राउंड में लगा असुविधाओं का अंबार, खेल विभाग द्वारा अनदेखी का आरोप

जयपुर, 3 अगस्त। एक मारवाड़ी कहावत बहुत प्रचलित है कि " घर का पूत कुंवारा डोले, पाड़ोसी का फेरा"। यह कहावत खेल विभाग के उस फैसले पर खरी उतरती है कि आरसीए अकादमी का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद भवन रखा जा रहा है जोकि राजस्थान क्रिकेट और हॉकी जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। जबकि दूसरी ओर सवाई मानसिंह स्टेडियम में स्थित हॉकी ग्राउंड का हाल बद से बदतर हो रहा है। उस ओर खेल विभाग का ध्यान बिल्कुल भी नहीं जा रहा है।

अगर खेल विभाग चाहता तो जब से हॉकी ग्राउंड पर एस्ट्रोट्फ लगा है तब से आज तक हॉकी ग्राउंड का नाम हॉकी लेजेंड मेजर ध्यानचंद हॉकी ग्राउंड रखा जा सकता था, इसके साथ ही खेल विभाग की ओर से मेजर ध्यानचंद को सच्ची श्रद्धांजलि होती। मगर "वाह री हॉकी तेरी किस्मत" हॉकी ग्राउंड की अनदेखी कर क्रिकेट अकादमी का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद भवन रखा जा रहा है। राजस्थान क्रिकेट संघ एक करोड़ रूपये की राशि सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित हॉकी मैदान में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा (स्टेच्यू) व भवन निर्माण हेतु तत्पर है व कमेटी का मानना है कि हॉकी भवन व मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा का निर्माण मेजर ध्यानचंद को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, साथ ही राज्य हॉकी के युवा खिलाडियों को प्रेरणा भी देगा।

होना तो यह चाहिए कि खेल विभाग खिलाड़ियों को हॉकी के विभिन्न पहलुओं, जैसे शारीरिक, मानसिक और सामरिक, में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करें और छात्रों को समय प्रबंधन, स्वतंत्रता और संगठनात्मक कौशल विकसित करने में मदद करें लेकिन इसका उल्टा ही हो रहा है। सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में एक अंतरराष्ट्रीय टर्फ हॉकी स्टेडियम है। यह स्टेडियम कई अन्य खेल गतिविधियों के साथ-साथ हॉकी के लिए भी एक प्रमुख स्थान है। यहां विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड है।

जयपुर में आज से दो दशक पहले एस्ट्रोट्फ हॉकी ग्राउंड पर लगाया गया था ताकि राजस्थान के हॉकी ग्राउंड पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल खेला जा सके और राजस्थान के खिलाड़ियों को एस्ट्रोट्फ में खेलने की प्रेक्टिस हो सके साथ ही अपने खेल प्रतिभा को निखारने का अवसर मिल सके। इसका कितना फायदा खिलाड़ियों को मिला है ये सभी जानते हैं। फिर दुबारा इसका रेनोवेशन ऑफ सिंथेटिक हॉकी एस्ट्रोट्फ मैदान का लोकार्पण रविवार, दिनांक 29.5.2022 को किया गया जिसका लोकार्पण का पत्थर लगा हुआ है हॉकी ग्राउंड के गेट के पास। कुल मिलाकर खेल विभाग को हॉकी ग्राउंड और हॉकी खिलाड़ियों की सुविधाओं की ओर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है अन्यथा हॉकी ग्राउंड एवं हॉकी खिलाड़ियों का भविष्य संवर नहीं सकता है।

राज्य सरकार द्वारा खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर पहुंचाने का सपना अधूरा ही रह जाएगा

हॉकी ग्राउंड में आने वाले खिलाड़ियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। एक तरफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ खेल ओर खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाना चाहते हैं वहीं खेल विभाग हॉकी ग्राउंड पर आने वाले खिलाड़ियों की जान का दुश्मन बना हुआ है। ग्राउंड में खिलाड़ियों के लिए लगे हुए टीन शेड्स के अंदर बिजली के तार और बोर्ड जमीन पर टूटे पड़े हुए हैं जिससे किसी भी खिलाड़ी को करंट लग सकता है। खिलाड़ियों की जान की कोई सिक्योरिटी नहीं है। अगर खिलाड़ियों के साथ कोई दुर्घटना होती है तो कौन जिम्मेदार होगा? इसका कोई जवाबदेही नहीं है। खिलाड़ियों के बैठने की कुर्सियां भी गायब है। हॉकी ग्राउंड पर रखे हुए डस्टबिन में कचरे की जगह बरसात का पानी भरा हुआ है और लोहे की जालियों के पास कचरे का अंबार लगा हुआ है। ताज्जुब कि बात तो यह है कि कीमती पुराने एस्ट्रोट्फ को काटकर कचरे को ढकने के काम में लिया जा रहा है। एस्ट्रोट्फ इस हॉकी ग्राउंड के लिए पुराना हो गया होगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उस एस्ट्रोट्फ को खुले आसमान के नीचे सर्दी, गर्मी ओर बरसात की मार झेलने के लिए खुले में पटक दिया जाए। लोहे की जालियों को भी खुले में रखा गया है जिसमें आधे से ज्यादा लोहे को जंग लग गई है। पुराने गोल पोस्टों की भी हालत भी ऐसी ही है। ऐसा लगता है कि नए नए खेल सामान ग्राउंड पर लगाए जाए और पुराने फेंक दिए जाए। ये सभी पुराने सामान और जगह इस्तेमाल किए जा सकते हैं। लेकिन कोई जिम्मेदार नहीं है। हॉकी ग्राउंड के बाहर कचरे का ढेर लगा हुआ है। उस ओर किसी भी अधिकारी, कर्मचारी, ओर कोच का ध्यान ही नहीं जाता है।

राजस्थान शतरंज संघ में विवाद

19 वर्षों से खिलाड़ियों को टीए/डीए नहीं

जयपुर, 3 अगस्त। राजस्थान शतरंज संघ में लंबे समय से चल रहा प्रशासनिक विवाद अब गहराता जा रहा है। संघ के अध्यक्ष और उनके समर्थक कुछ जिला पदाधिकारी न सिर्फ राज्य संघ संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग राजस्थान द्वारा दिए गए स्पष्ट आदेशों की अवहेलना करते हुए अवैध चुनाव की घोषणा भी कर चुके हैं।

इस पूरी स्थिति का सबसे दुखद पहलू यह है कि पिछले 19 वर्षों से राज्य के शतरंज खिलाड़ियों को टीए/डीए तक नहीं मिल रहा है। आरसीए बीते 15 वर्षों से "डिफंक्ट" (अकार्यरत) स्थिति में है। इतना ही नहीं, वर्ष 2005 से लेकर 2021 तक आरसीए में ना तो कोई वैध चुनाव कराए गए और ना ही किसी प्रकार की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इन्हीं आधारों पर राजस्थान राज्य खेल परिषद ने आरसीए को विवादित खेलों की सूची में डाल रखा है, और अब तक उसे मान्यता नहीं दी है।

आरसीए का वर्तमान विवाद कैसे शुरू हुआ?

यह विवाद उस समय सामने आया जब जयपुर जिला शतरंज संघ ने जयपुर में फरवरी 2024 में नेशनल एमेच्योर प्रतियोगिता का आयोजन किया। उसी दौरान कुछ ज़िलों-जिन पर पहले से ही ज़िला रजिस्ट्रार और खेल कार्यालयों में जांच लंबित थी-ने मिलकर आरसीए के सचिव को निलंबित करने की साज़िश रची। यह निलंबन पत्र अध्यक्ष द्वारा जारी किया गया, जबकि आरसीए के संविधान के अनुसार अध्यक्ष को ऐसा कोई अधिकार नहीं है।

गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक आरोप लंबित हैं।

इसके बावजूद पूर्व अध्यक्ष के गुट ने अवैध चुनाव की घोषणा कर दी है, और ज़िला संघों पर इस गैरकानूनी प्रक्रिया में भाग लेने का दबाव बनाया जा रहा है। अध्यक्ष द्वारा अखिल भारतीय शतरंज संघ में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए, आरसीए सचिव द्वारा भेजे गए राज्य स्तरीय कार्यक्रमों को भी रोका गया है।

खिलाड़ियों की मांग और भविष्य

राज्यभर के खिलाड़ी और कोच इस स्थिति से अत्यधिक परेशान हैं। टीए/डीए की अनुपलब्धता, टूर्नामेंटों की अनिश्चितता, और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी ने खेल गतिविधियों को प्रभावित किया है। खिलाड़ियों का कहना है कि जब तक आरसीए में वैध एडहॉक समिति नहीं बनती या सरकार स्वयं हस्तक्षेप नहीं करती, तब तक उनका भविष्य अधर में ही रहेगा। वे राज्य सरकार से यह अपील कर रहे हैं कि आरसीए में तत्काल स्वतंत्र, निष्पक्ष और वैध चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि संघ को दोबारा कार्यरत बनाकर खिलाड़ियों को उनका उचित लाभ दिलाया जा सके।

आयु धोखाधड़ी रोकने के लिए करने जा रहा है स्क्रीनिंग एजेंसी नियुक्त : बीसीसीआई

मुम्बई, 3 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) आयु-धोखाधड़ी रोकने और खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी को नियुक्त करने जा रहा है। बीसीसीआई के अनुसार आयु-धोखाधड़ी और खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी की नियुक्ति की प्रक्रिया में है। हाल ही में एक आरएफपी जारी किया गया है, जिसमें सत्यापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियां आमंत्रित की गई हैं। इस आउटसोर्स एजेंसी के अगस्त के अंत तक स्थापित होने की उम्मीद है।

ऐसा माना जा रहा है कि यह मामला खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज या प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए से संबंधित है। बीसीसीआई का उद्देश्य इस प्रक्रिया को पेशेवर बनाना और अधिक आयु के खिलाड़ियों के इस प्रणाली में प्रवेश करने की किसी भी संभावना को समाप्त करना है। बीसीसीआई दो-स्तरीय आयु-सत्यापन प्रणाली अपनाता है - पहले में दस्तावेज़ों और जन्म प्रमाण पत्रों की जाँच शामिल है, जबकि दूसरा अस्थि परीक्षण है, जिसे आमतौर पर टीडब्ल्यू3 (टैनर-व्हाइटहाउस 3) पद्धित के रूप में जाना जाता है। ये सत्यापन आमतौर पर लड़कों के लिए अंडर-16 स्तर पर और लड़कियों के लिए अंडर-15 स्तर पर किए जाते हैं।

बीसीसीआई ने बोली लगाने वाली संस्थाओं से अपेक्षित आवश्यकताओं की रूपरेखा तैयार की है। एक हालिया अधिसूचना के अनुसार, बोली लगाने वाली कंपनियों/एजेंसियों के पास प्रतिष्ठित फर्मों को पृष्ठभूमि सत्यापन सेवाएं प्रदान करने का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इनमें कॉर्पोरेट कंपनियां शैक्षिणक बोर्ड/संस्थान और भर्ती निकाय शामिल हैं, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

इसके अलावा, इच्छुक पक्षों के पास एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क या सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से सत्यापन करने की क्षमता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई वर्ष में इसी समय जुलाई और अगस्त के आसपास आयु सत्यापन करता है। इस वर्ष यह प्रक्रिया सितंबर तक भी बढ़ सकती है क्योंकि एजेंसी के इस महीने के अंत तक काम शुरू करने की उम्मीद है। सत्यापन राज्यवार किया जाता है और प्रत्येक राज्य से, प्रत्येक बालक और बालिका वर्ग में, 40-50 खिलाड़ियों को परीक्षण प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

ओवल टेस्ट-खराब लाइट से चौथे दिन का खेल जल्दी खत्म

ब्रूक-रूट के शतक, इंग्लैंड जीत से 35 रन दूर

लंदन, 3 अगस्त। हैरी ब्रूक (111) और जो रूट (105) की शानदार शतकीय पारियों के बाद बारिश के खलल के कारण दिन का खेल समाप्त किये जाने के समय इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन रविवार को दूसरी पारी में छह विकेट पर 339 रन बना लिए हैं और वह जीत से अब 35 रन दूर है।

चायकाल के बाद चार विकेट पर 317 रनों से आगे इंग्लैंड ने खेलना शुरु किया। इसी दौरान जो रूट ने अपना शतक पूरा किया। रूट ने 152 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 105 रनों की पारी खेली। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने जेकब बेथेल (पांच) को बोल्ड कर मैच को एक बार फिर भारत की ओर मोड दिया। 77वें ओवर में खराब रोशनी के कारण खेल रोका गया। उसके बाद बारिश होने लगी। मैदानी अम्पयरों ने मैदान का निरीक्षण करने के बाद दिन का खेल समाप्त किये जाने की घोषणा की। इंग्लैंड ने स्टंप के समय छह विकेट पर 339 रन बना

लिये है और जेमी स्मिथ नाबाद (दो) और जेमी ओवर्टन बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद है। इंग्लैंड को जहां जीत के लिए 35 रनों की जरूरत है वहीं भारत को चार विकेट की दरकार है। भारत की ओर प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन और मोहम्मद सिराज ने दो विकेट लिये। आकाश दीप ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ब्रूक ने 98 गेंदों पर 111 रन की तेज-तर्रार पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाए। आकाशदीप ने चायकाल से पहले ब्रूक को आउट किया लेकिन तब तक वह इंग्लैंड को जीत की राह पर अग्रसर कर चुके थे। इस सेशन में कुल 153 रन बने और सिर्फ एक विकेट गिरा है। इसी से पता चलता है कि यह मैच अब किस स्थिति में है। हल्की बूंदा-बांदी हो रही है। अगर यह जारी रहा तो भारत के तेज गेंदबाजों को आराम करने का और कुछ मैजिक करने के लिए रिफ्रेश होने का समय मिल जाएगा। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह मैच अब भारत की पहुंच से बाहर जा चुका है।

इससे पहले इंग्लैंड ने कल के एक विकेट पर 50 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में बेन डकेट ने तेजी के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने बेन डकेट को केएल राहुल के हाथों स्लिप में कैच आउट करा दिया। बेन डकेट ने 83 गेंदों में छह चौकों की मदद से 54 रन बनाये। इसके बाद 28वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने कप्तान ऑली पोप (27) को पगबाधा आउटकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई।

इंग्लैंड ने लंच तक तीन विकेट पर 164 रन बना लिये थे और हैरी ब्रूक (नाबाद 38) और जो रूट (नाबाद 23) क्रीज पर मौजूद थे। पहले सत्र में भारतीय टीम को दो सफलताएं मिली, वहीं इंग्लैंड ने 114 रन भी बनाए हैं। हैरी ब्रूक का कैच अगर ले लिया जाता तो भारत हावी रहता लेकिन सिराज से गलती हो गई है।

कोको गॉफ पर सनसनीखेज जीत से विक्टोरिया म्बोको क्वार्टर फाइनल में

मॉन्ट्रियल (कनाडा), 3 अगस्त। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया म्बोको ने नेशनल बैंक ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

शनिवार रात खेले गये मुकाबले में कनाडाई किशोरी म्बोको ने शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। विश्व में 85वें स्थान पर काबिज म्बोको ने गॉफ को एक घंटे दो मिनट चले मुकाबले में हराया।

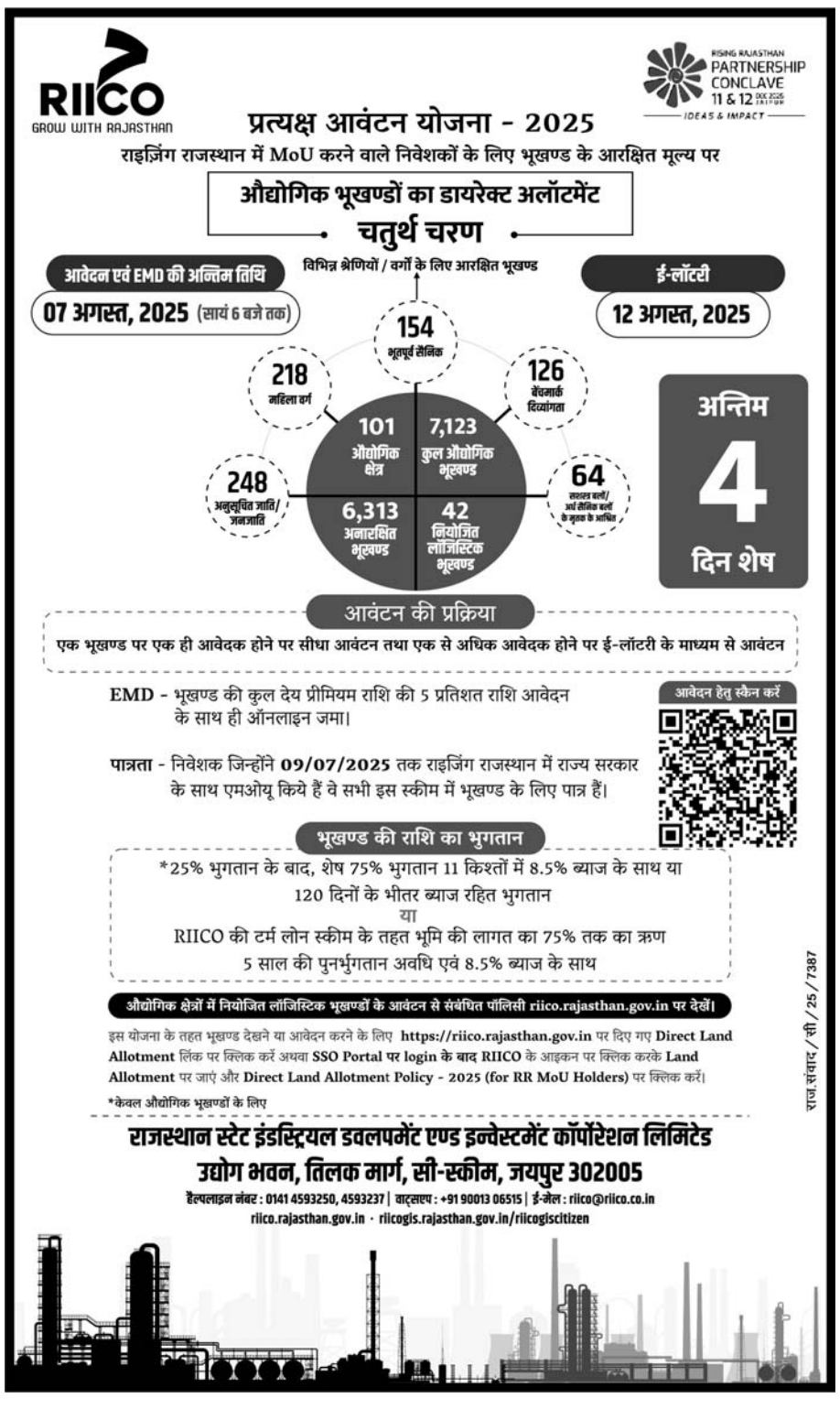

अश्विनी विश्नोई ने बढ़ाया राजस्थान का मान : सीएम

जयपुर, 3 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल विजेता भीलवाड़ा निवासी अश्विनी विश्नोई ने मुलाकात की। शर्मा ने दुपट्टा ओढ़ाकर अश्विनी का सम्मान किया तथा उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। भीलवाड़ा की बेटी अश्विनी ने कुश्ती में गोल्ड मेडल जीतकर पूरे विश्व में राजस्थान का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने अश्विनी विश्नोई की इस सफलता में मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए उनके पिता मुकेश विश्नोई को भी बधाई दी। उल्लेखनीय है कि अश्विनी विश्नोई ने एथेंस में अंडर 17 वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप के 65 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। इस जीत के साथ ही अश्विनी वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली प्रदेश की प्रथम महिला पहलवान बनी है।

एचसीएल इंडिया स्क्वैश टूर का पहला चरण आज से

मिस्र के यासिन शोहदी और नूर खफागी को मिली शीर्ष वरीयता

जयपुर, 3 अगस्त। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया और एचसीएल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार से यहां शुरू हो रहे एचसीएल इंडिया स्क्वैश टूर 2025 के पहले चरण में मिस्र के याासिन शोहदी और नूर खफागी को क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता दी गई है। भारत की स्टार स्क्वैश प्लेयर जोशना चिनप्पा और निरुपमा दुबे के टूर्नामेंट की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले अपना नाम वापस लेने से राजस्थान की छवि सारण को मेन ड्रॉ में जगह मिल गई। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने रविवार को यहां बताया कि सोमवार से शुरू हो रहे मुकाबलों में मिस्र के यासिन शोहदी को शीर्ष वरीयता दी गई है। वहीं जापान के टोमो एंडो को दूसरी, श्रीलंका के रविन्दु लक्सिरी को तीसरी और मलेशिया के डेरिन प्रगासस को चौथी वरीयता मिली है। उन्होंने बताया कि पुरुष वर्ग में टॉप-8 में सूरज कुमार चन्द एकमात्र भारतीय हैं, जिन्हें छठी वरीयता दी गई है। भारत के राहुल बैथा, आर्यवीर दीवान, अयान वजीर अली और दिवाकर सिंह भी चुनौती पेश करेंगे। सुरभि ने बताया कि महिला वर्ग में भी मिस्र की नूर खफागी टॉप सीड हैं। वहीं मिस्र की ही मेन्ना वलीद को दूसरी, जापान की अकारी मिडोरिकावा को तीसरी और मलेशिया की गो झी शुआन को चौथी वरीयता है। उन्होंने बताया कि टॉप-8 में शामिल चार भारतीय खिलाड़ियों तन्वी खन्ना को पांचवीं, अंजली सेमवाल को छठी, शमीना रियाज को सातवीं और जेनिट विधि को 8वीं वरीयता दी गई है। महिला वर्ग के मेन ड्रॉ में भारत की कुल 17 खिलाड़ी हैं, जिनमें सान्वी बतर, पूजा आरती, अराधना कस्तूरी राज, अनिका दुबे, तनिष्का जैन, आराधना पोड़वाल, सान्या बत्स और उन्नित त्रिपाठी आदि शामिल हैं।

सुरभि मिश्रा ने कहा कि 2028 में होने वाले लास एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वैश को भी शामिल किया गया है। इसे देखते हुए ही फेडरेशन और एचसीएल इंडिया ने इंडिया स्क्वैश टूर की शुरुआत की है। जयपुर के बाद इंडिया टूर के आगामी चरण मुम्बई, चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और दिल्ली में खेले जाएंगे। इससे भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय कॉम्पिटिशन मिलेगा और ओलंपिक खेलों की तैयारी में मदद मिलेगी।

ज्यादा खेलना बोरियत और ठहराव का कारण बनेगा, आईसीसी को ध्यान देने की जरूरत : गूच

लंदन, 3 अगस्त। भारत और इंग्लैंड के बीच वर्तमान में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। जिसे लेकर फैंस में अलग ही दीवानगी दिख रही है। हालांकि, महान बल्लेबाज ग्राहम गूच ने टेस्ट क्रिकेट को लेकर आईसीसी को सजग किया है। वहीं ग्राहम गूच का कहना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांच मैच की कड़ी सीरीज दबाव झेल रहे टेस्ट फॉर्मेट के लिए बिल्कुल सही प्रेरणा है लेकिन उन्हें डर भी है कि सिर्फ बिग थ्री(भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों के एक-दूसरे के साथ ज्यादा खेलने का मौजूदा चल अंतत:बोरियत और ठहराव का कारण बनेगा। अधिकतर टेस्ट क्रिकेट भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है जो पांच मैच की सीरीज में एक-दूसरे के साथ खेलते हैं। वेस्टइंडीज, साउथअफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर देश केवल दो या तीन मैच की सीरीज ही खेलते हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान गूच ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को बिग थ्री देशों से आगे बढ़कर फलने-फूलने की जरुरत है। गूच ने आगे कहा कि, मुझे लगता है कि आईसीसी का टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है और ये देखने की जरूरत है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर देशों की कैसे मदद कर सकते हैं।

डब्ल्यूसीएल का भारत को समर्थन देना पीसीबी को नागवार गुजरा

नई दिल्ली, 3 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के आयोजकों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए रविवार को भविष्य में इस टूर्नामेंट में अपने खिलाड़ियों की भागीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों को लेकर देश के रुख का हवाला देते हुए इस पड़ोसी देश के खिलाफ डब्ल्यूसीएल के ग्रुप चरण के मुकाबले और सेमीफाइनल दोनों में खेलने से इनकार कर दिया था जिसके बाद पीसीबी ने यह फैसला किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के जोधपुर हाउस में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत बिल्व का पौधा लगाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने चाहिए।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर सेना के अधिकारी व एयरलाइन कर्मचारियों में मारपीट

स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई

- **एयर लाइन्स के अनुसार, सेना अधिकारी के सामान का वजन अधिक था तथा उनसे बोर्डिंग गेट पर अतिरिक्त भार के भुगतान के लिए कहा गया था।**
- **सेना ने कहा कि वह जाँच में पूरा सहयोग करेगी।**

श्रीनगर, 3 अगस्त। श्रीनगर में हवाई अड्डे पर सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा एक निजी एयरलाइंस के चार कर्मचारियों को कथित तौर पर बुरी तरह पीटने की घटना के प्रकाश में आने के बाद एयरलाइंस ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर मामले में उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

एयरलाइंस स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि कश्मीर में तैनात एक वरिष्ठ सेना अधिकारी ने 26 जुलाई को श्रीनगर हवाई अड्डे पर उसके चार कर्मचारियों पर कथित तौर पर तब हमला बोल दिया जब उन्होंने सामान के किराए के भुगतान का अनुरोध किया। इस मामले की प्राथमिकी थाने में दर्ज कराई है और नागरिक उड्डयन नियमों के अनुसार यात्री का नाम काली सूची (नो-फ्लाई) में डालने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

एयरलाइंस ने कहा कि उसने घटना का सीसीटीवी फुटेज हासिल करके पुलिस को सौंप दिया है और वह इस मामले की पूरी कानूनी और नियामकीय जाँच पर जोर देगी।

प्रवक्ता ने बताया कि उक्त अधिकारी ने श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या एसजी -386 के बोर्डिंग गेट पर तैनात एयरलाइंस के चार कर्मचारियों को इतना पीटा कि एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई और उसके जबड़े में गंभीर चोटें आईं। जब दूसरे कर्मचारी उसे बचाने आए तो अधिकारी ने उन्हें भी पीटा।

प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारी के सामान का वजन 10 किलोग्राम था जबकि, मुसाफिरों को विमान के अदंर केवल सात किलोग्राम ले जाने की इजाजत है।

प्रवक्ता ने कहा, ''जब उनको विनम्रतापूर्वक इस बारे में बताया गया और लागू शुल्क का भुगतान के लिए कहा गया, तो यात्री ने इन्कार कर दिया और बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी किए बिना ही जबरन एयरोब्रिज में प्रवेश कर गया। यह विमानन सुरक्षा प्रोटोकॉल का स्पष्ट उल्लंघन था।''

प्रवक्ता ने कहा, ''सीआईएसएफ के एक अधिकारी ने उसे वापस गेट तक पहुँचाया।''

इस मामले में सेना ने कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगी। सेना ने बयान में कहा, हम अनुशासन के उच्च मानकों पर चलते हैं और इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर हाउस में बिल्व का पौधा लगाया

दिल्ली में पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने रिफाइनरी के काम में तेजी लाने की बात कही

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन तथा विरासत से जुड़े पर्यटन स्थलों को बढ़ावा दिया जायेगा। प्राचीन हवेलियों और हेरिटेज सम्पत्तियों की सूची बनवाई गई है तथा उनके उचित रखरखाव के लिए सरकार हर संभव सहयोग करेगी।**

नई दिल्ली/जयपुर, 3 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के जोधपुर हाउस में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बिल्व का पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिल्व जैसे पौधे धार्मिक और औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने चाहिए।

शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि हमारी सरकार राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए कार्य कर रही है। राजस्थान रिफाइनरी के काम में तीव्रता लाकर यहां बनने वाले बाय-प्रोडक्ट्स को संसाधित करके इससे जुड़े उद्योगों की स्थापना पर केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि प्रदेश में विभिन्न प्रकार के पर्यटन को बढ़ ावा दिया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से धार्मिक पर्यटन और हमारी विरासत से जुड़े पर्यटन स्थल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन हवेलियों और हेरिटेज संपत्तियों की सूची बनवाई गई है। इनके उचित रखरखाव के लिए सरकार हर संभव सहयोग करेगी।

रीट पेपर लीक में जब्त 1.20 करोड़ की एफडी होगी

यह राशि गत चार साल से गंगापुर सिटी थाने में रखी हुई थी

- **हल्के वाहनों का आवागमन चालू रखा गया है तथा बद्रीनाथ यात्रा भी फिलहाल जारी है।**

जयपुर, 3 अगस्त। राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा 2021 पेपरलीक मामले में जब्त 1.20 करोड़ रुपए से अधिक राशि की एफडी होगी।

ईडी मामलों की विशेष अदालत ने एसओजी को इसके निर्देश दिए हैं। यह राशि पिछले चार साल से गंगापुरसिटी थाने में रखी थी, लेकिन अब पेपरलीक का मामला जयपुर ट्रांसफर होने के बाद जब्त कैश और अन्य माल ईडी कोर्ट को भेज दिया गया।

यह राशि गंगापुरसिटी थाना पुलिस ने साल 2021-22 में अलग-अलग आरोपियों से बरामद की थी।

मामले में विशिष्ठ लोक अभियोजक बीएस चौहान ने बताया कि गंगापुर सिटी थानाधिकारी की ओर से प्रार्थना पत्र पेश करके जब्तशुदा एक करोड़ 20 लाख दो हजार रुपए व सामान को न्यायालय में जमा करवाने का आग्रह किया गया। कोर्ट ने प्रार्थना पत्र को निस्तारित कर नकदी को एफडी में जमा करवाने का आदेश दिया, वहीं जब्तशुदा सामान एसओजी थाने को सौंप दिया।

कोर्ट ने कहा कि एफडी अधिक ब्याज देने वाले बैंक में करवाई जाए और बैंक का नाम विशिष्ट लोक अभियोजक को बताया जाए।

सुनवाई के दौरान रीट पेपरलीक मामले के आरोपी चन्दनराम, कमला विश्नोई, सुमन, सोहिनी महेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र सिंह, राजेश कुमार मीना, संजय कुमार मीना बत्ती लाल मीणा, रवि मीणा, अमित कुमार मीणा, कमलेश मीणा, शिवदान मीना, नरेन्द्र विश्नोई, मुन्नीलाल विश्नोई व अशोक कुमार मौजूद रहे, जबकि शेष आरोपियों का हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर लिया। अब 11 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी।

बद्रीनाथ हाईवे पर पुल क्षतिग्रस्त, भारी वाहनों पर रोक

चमोली, 03 अगस्त। उत्तराखण्ड के चमोली जिले मे शनिवार रात्रि को भारी वर्षा होने के कारण बदरीनाथ हाईवे पर हनुमान चट्टी स्थित मोटर पुल के दोनों ओर की एबटमेंट सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गयी है। सतर्कता और सुरक्षा को देखते हुए फिलहाल भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई गई है। छोटे वाहनों टैक्सी, कार सहित अन्य हल्के वाहनों के आवागमन पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। बदरीनाथ यात्रा फिलहाल जारी है।

- **हल्के वाहनों का आवागमन चालू रखा गया है तथा बद्रीनाथ यात्रा भी फिलहाल जारी है।**

पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने जानकारी देते हुए रविवार को बताया फिलहाल बदरीनाथ हाईवे यहाँ पर हल्के वाहनों के ही खोला गया है। पांडुकेश्वर से ऊपर सभी भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है।

गडकरी के घर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस और डॉग स्कॉयड की टीम ने गडकरी के घर मेंसर्च ऑपरेशन भी चलाया।

कुछ घंटों बाद गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम उमेश विष्णु राउत है। उमेश विष्णु राउत मेडिकल चौक स्थित एक देसी शराब की दुकान पर काम करता है। पुलिस ने उसे नागपुर के बीमा दवाखाना के पास से गिरफ्तार किया है।

बता दें कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में ही मौजूद हैं। पुलिस की टीम अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर धमकी देने के पीछे की मंशा को जानना चाहेगी कि कहीं इस घटना में कोई और एंगल तो नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को भूपेश बघेल की अग्रिम जमानत पर सुनवाई की संभावना

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका जताई है कि राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनकी गिरफ्तारी की जा सकती है

- **शराब, कोयला तथा महादेव सट्टा घोटाले में सीबीआई और ईडी की जाँच के बाद उनके पुत्र चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी हो चुकी है। राज्य व केन्द्र की जाँच एजेन्सियों ने कुछ समय पूर्व संबंधित मामलों की जाँच की गति तेज कर दी है।**

रायपुर, 03 अगस्त। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव तथा पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल को आशंका है कि उन्हें शराब,कोयला और महादेव सट्टा एप घोटालों में नाम आने के बाद कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है।

इस गिरफ्तारी से बचने के लिए बघेल ने सर्वोच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका लगाई है और न्यायालय सोमवार को उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए विचार कर सकता है।

बघेल ने याचिका में मांग की है कि उन्हें इन मामलों में किसी भी तरह से गिरफ्तार न किया जाए और जांच में सहयोग करने का अवसर दिया जाए। याचिका में यह भी उल्लेख किया है कि जिस तरह उनके बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी राजनीतिक द्वेष के चलते की गई, उसी तरह उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका जताई है कि, राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनकी गिरफ्तारी की जा सकती है। यह याचिका ऐसे समय में दाखिल की गई है जब राज्य और केन्द्र की जांच एजेसिंयों, ईडी तथा आर्थिक अपराध शाखा सहित कई केन्द्रीय जांच एजेंसियों ने संबंधित मामलों की जांच तेज कर दी है।

यह याचिका सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए लिस्टिंग की गई है। इसके अलावा बघेल और उनके बेटे ने सीबीआई और ईडी द्वारा की जा रही जांचों की वैधता को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है। याचिका में सवाल उठाया गया है कि सीबीआई और ईडी को छत्तीसगढ़ में जांच करने का अधिकार किस आधार पर मिला, जब राज्य सरकार ने पहले ही उनकी आम सहमति वापस ले ली थी।

सितंबर से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

12 के अनुसार हर साल रजिस्टर्ड पोस्ट की संख्या में गिरावट आ रही है। साल 2011-12 में रजिस्टर्ड डाक से भेजने वाले आर्टिकल 24 करोड़ से घटकर 2019-20 में 18 करोड़ के रह गए। 25 फीसदी की कमी साफ देखी जा सकती है। कोरोना के बाद से तो स्थिति और खराब हो गई है।

सरयू नहर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आया। बमुश्किल खिड़की का शीशा तोड़कर एक-एक को बाहर निकाला। तब तक सभी की मौत हो चुकी थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना का संज्ञान लेकर शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। सीएम ने मृतकों के परिजनों को पांच लाख की आर्थिक सहायता दिए जाने के निर्देश दिए हैं।

चुनाव आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्र नहीं रख सकता है। अगर रखता है तो यह अपराध है। एनडीए के प्रवक्ताओं ने साफ कहा कि चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और तत्काल इस मामले को लेकर तेजस्वी यादव पर मुकदमा दायर करना चाहिए।

'साढ़े छः ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोग के कथित कदम का विरोध करते हुए आरोप लगाया था कि यह भाजपा की उन राज्यों की वोट देने वाली आबादी का डेटा बदलने की चाल है जहाँ उसकी कोई पकड़ नहीं है।

ग्रेनाइट खदान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने इस दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायल श्रमिकों को बेहतर चिकित्सा प्रदान करने के निर्देश दिये हैं।

भारत ने अमेरिका से इस वर्ष दोगुनी राशि का तेल खरीदा

नई दिल्ली, 03 अगस्त। रूस से कच्चा तेल खरीदने पर आपत्ति जताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए खुशखबरी है। भारत ने पिछले तीन महीने में पिछले साल की अपेक्षा 114 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल खरीदा है। अगर जनवरी से 25 जून तक बात करें तो भारत ने पिछले साल की अपेक्षा अमेरिका से 51 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल खरीदा है। पिछले साल जनवरी से जून तक 0.18 एमबी/डी कच्चा तेल भारत में आयात हुआ था, इस साल अब तक इसकी मात्रा .271 एमबी/डी पहुंच चुकी है। 2024 की तुलना में अप्रैल से जून 2025 तिमाही में भारत ने अमेरिका से 114 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल आयात किया है। इन आयातों का वित्तीय मूल्य दोगुने से भी अधिक हो गया है। 2024-25 की पहली तिमाही में 1.73 बिलियन डॉलर से बढ़ कर 2025-26 की अप्रैल से जून में 3.7 बिलियन डॉलर हो गया है।

- **अप्रैल-जून 2024 में आयात 1.73 बिलियन डॉलर था, जो इस अप्रैल-जून में 3.7 बिलियन डॉलर हो गया।**

सूत्रों के अनुसार, कच्चे तेल के आयात की गति और तेज होती दिख रही है। गर्मियों के महीनों में भी यह वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। गत जुलाई में भारत ने जून की तुलना में अमेरिका से 23 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल आयात किया है। भारत के कुल कच्चे तेल आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी महज 3 प्रतिशत थी, जो जुलाई में बढ़ कर 8 प्रतिशत हो गई है। सूत्रों का कहना है कि वित्तीय साल 2025-2026 में भारतीय कंपनियां अपने कच्चे तेल के आयात में 150 प्रतिशत की वृद्धि करेंगी। आयात की यह बढ़ त केवल कच्चे तेल पर नहीं है। यह बढ़ त अन्य इनर्जी प्रोडक्ट पर भी है। अमेरिका से भारत आने वाला तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात भी तेजी से बढ़ा है। वित्तीय साल 2024-25 में एलएनजी आयात 2.46 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के 1.41 अरब डॉलर से लगभग दोगुना है। यानी एलएनजी आयात में करीब 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

ऊँची लहरों से केरल के तटों पर पानी भरने की आशंका

तिरुवनंतपुरम, 03 अगस्त। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र ने केरल के तटीय इलाकों में ऊंची लहरों के कारण पानी का स्तर बढ़ ने की आशंका को देखते हुये चेतावनी जारी की है।

स्थानीय भाषा में इसे कल्लक्कडल के नाम से भी जाना जाता है जो शक्तिशाली समुद्री उफानों के कारण तटीय बाढ़ की घटना को संदर्भित करता है।

यह अक्सर दूर के तूफानों से उत्पन्न होती है। समुद्र में दूर-दूर तक तेज हवाओं या तूफानों के कारण उत्पन्न ये लहरें लंबी दूरी तय करती हैं और तट पर पहुंचकर भारी बाढ़ और क्षति का कारण बन सकती हैं।

- **मछुआरों व स्थानीय नागरिकों से अत्यधिक सावधानी बरतने व इन क्षेत्रों में जाने से बचने को कहा गया है।**

कल्लक्कडल एक स्थानीय शब्द है जिसका प्रयोग केरल में, विशेष रूप से मानसून-पूर्व मौसम के दौरान, उफान के कारण आने वाली बाढ़ के लिए किया जाता है।

इन हालात को देखते हुए मछुआरों और तटीय निवासियों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा गया है कि वे इन क्षेत्रों में जाने से बचें और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें।

'योगी के कैबिनेट मंत्री राजभर बिहार में भाजपा पर दबाव बना रहे हैं'

वे बिहार विधानसभा चुनाव में सम्मानजनक सीटों पर गठबंधन करना चाहते हैं

- **राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी कई वर्षों से बिहार में सक्रिय है, इसलिए वे विधानसभा चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते है।**

लखनऊ, 3 अगस्त। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अब नए समीकरण के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। इसके संकेत उस समय मिलने शुरू हो गए जब उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन नहीं हुआ तो सारे विकल्प खुले हुए हैं।

दरअसल, भाजपा की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने बिहार चुनाव लड़ने के लिए गैर-भाजपा दलों के साथ तीसरा मोर्चा बनाने के संकेत देकर अपनी राजनीतिक ताकत फिर से दिखानी शुरू कर दी है।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने अपने बयान में कहा अगर बिहार में भाजपा के साथ हमारा गठबंधन नहीं होता है, तो हम सभी विकल्प खुले रखेंगे।

योगी सरकार में मंत्री राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और मुकेश साहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) सहित कई छोटी पार्टियों के साथ बातचीत कर रही है।

राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से कम से कम 156 पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि स्थिति क्या और कैसी बनती है। हम बिहार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं, जहां हम पिछले कई वर्षों से सक्रिय हैं।

भाजपा के सूत्रों ने बताया कि राजभर सीवान, चंपारण, सारण, गोपालगंज और बक्सर के कुछ इलाकों में सम्मानजनक सीटों के लिए भाजपा से कड़ी मोलभाव कर रहे हैं जहां राजभर, राजवंशी, राजधोबी और भर समुदायों की अच्छी-खासी मौजूदगी है। पार्टी का लक्ष्य पटवा और मंडल जैसी जातियों को भी एकजुट करना है।

एयर इंडिया का पुनः ''राष्ट्रीयकरण'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विमान ऑर्डर दिया है, तकनीक और कर्मचारियों के प्रशिक्षण में निवेश किया है, और ब्रांड की साख वापस लाने की कोशिश की जा रही है। इस तरह का बदलाव, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार भी, कई सालों में होता है, महीनों में नहीं।

आज जो समस्याएं एयर इंडिया में देखी जा रही हैं, वे पुनर्गठन की प्रक्रिया का हिस्सा हैं, न कि व्यवस्था की विफलता। अभी अगर फिर से इसका राष्ट्रीयकरण किया गया, तो भारत के आर्थिक सुधारों की साख को बड़ा झटका लगेगा और वैश्विक निवेशकों का भरोसा कमजोर होगा, जिन्हें नीति में स्थिरता चाहिए।

यह बात सही है कि एयर इंडिया के साथ भावनात्मक लगाव आज भी बना हुआ है। दशकों तक यह भारत की हवाई पहचान रही है, प्रधानमंत्रियों को ले जाने वाली, संकट में नागरिकों को वापस लाने वाली और प्रवासी भारतीयों को देश से जोड़ने वाली एयरलाइन। जब वही एयरलाइन निजी हाथों में संघर्ष करती दिखती है, तो लोगों को पीड़ा होती है।

अगर टाटा समूह द्वारा दी जा रही पूंजी और स्वतंत्रता के बावजूद एयरलाइन लगातार विफल होती है, तो सार्वजनिक हित की बात फिर से उठ सकती है। मनीष तिवारी की यह चिंता, कि गैर-विमानन पेशेवर (नॉन एविएशन प्रॉफेशनल्स) इसे चला रहे हैं, इस बड़े भय को दर्शाती है कि एयर इंडिया की आत्मा सिर्फ लाभ कमाने के चक्कर में कहीं खो रही है।

- **पर, यह भी जरूरी है कि एयर इंडिया का मैनेजमैंट अपनी दिक्कतों व कमियों के बारे में सही जानकारी दे जनता को, नहीं तो यह ''इम्प्रेशन'' जोर पकड़ लेगा कि मैनेजमैंट के पास सिविल एविएशन का पूरा अनुभव नहीं है और कार्य कुशलता के अभाव में कंपनी डूब जायेगी।**

इसके अलावा, भारत जैसे विशाल देश में हवाई संपर्क एक रणनीतिक संसाधन है। अगर निजी नियंत्रण में कुछ प्रमुख मार्ग घाटे का सौदा बनते हैं, तो जनता की जरूरतें पूरी नहीं होंगी। ऐसे में सरकार को सीधे या रैग्युलेशन के ज़रिए हस्तक्षेप करना पड़ सकता है।

फिर भी, एयर इंडिया का पुनः राष्ट्रीयकरण अभी जल्दबाज़ी होगी और मुश्किल से हो रहे सुधारों को कमज़ोर करने का खतरा पैदा हो सकता है। एयर इंडिया को कब्ज़े में लेने की नहीं, बल्कि कड़ी निगरानी की ज़रूरत है। सरकार को अपने नियामक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए सेवा गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा पर नज़र रखनी चाहिए। वहीं, टाटा समूह को संवाद बेहतर करना होगा, तेज़ी से कदम उठाने होंगे और यात्रियों व नीति-निर्माताओं, दोनों को यह भरोसा दिलाना होगा कि वे इस जिम्मेदारी के लायक हैं।

निजीकरण कभी कोई जादू की छड़ी नहीं था। यह एक ऐसा कदम था, जिससे सरकार को एयरलाइन चलाने के काम से आज़ाद किया जा सके, ताकि वह शासन पर ध्यान दे सके। इसी भावना में, ज़रूरी है कि जो टूटा है, उसे ठीक किया जाए, बिना उसे फिर से पूरी तरह बिगाड़े।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908